मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 25 फरवरी 2026

संवत 2082, फाल्गुन शुक्ल 9 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 166 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ केसीसी के नए प्रावधान सुधारेंगे किसानों की आर्थिक स्थिति

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग मामले में चौंकाने वाला खुलासा 6

एनसीईआरटी बुक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' के जिक्र पर भड़के सीजेआई बोले-

'न्यायिक संस्था को बदनाम करने की अनुमति नहीं दूंगा'

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की किताब में न्यायपालिका से जुड़ी सामग्री पर गंभीर आपत्ति जताई है। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि वह किसी को भी न्यायपालिका की संस्था को बदनाम करने की इजाजत नहीं देंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कानून अपना काम करेगा और जरूरत पड़ी तो अदालत स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करेगी। वहीं, जस्टिस बागची ने इसे बुनियादी ढांचे के खिलाफ बताया।

मामला उस पाठ से जुड़ा है जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित एक हिस्सा जोड़ा गया है। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने इस मुद्दे को अदालत के सामने उठाया। उन्होंने कहा कि स्कूल के बच्चों को इस तरह की सामग्री पढ़ाया जाना चिंताजनक है। इस पर सीजेआई ने कहा कि उन्हें इस विषय पर कई फोन और संदेश मिले हैं और वह पूरी तरह से मामले से अवगत हैं।

सुनावई के दौरान सीजेआई ने क्यों जताई नाराजगी: मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी है। उन्हें लगातार इस बारे में फोन कॉल, मैसेज मिल रहे हैं। बार और बेंच दोनों इससे व्यथित है। नाराजगी जाहिर करते हुए सीजेआई ने कहा कि संस्था का प्रमुख होने के नाते मैंने हमेशा अपने दायित्व को निभाया है। मैं किसी को इस बात की इजाजत नहीं दूंगा कि वो न्यायपालिका को बदनाम करें। किसी कीमत पर मैं इसकी इजाजत नहीं दूंगा, कोई कितना भी बड़ा क्यों न हो। कानून अपना काम करेगा। मैं जानता हूं कि इससे कैसे निपटा जाए। मैं स्वतः संज्ञान ले रहा हूं।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा यह सोची समझी चाल प्रतीत होती है। इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं कहूंगा। सीजेआई के रूप में मैं अपनी ड्यूटी निभा रहा हूं। इस मामले पर बेंच के दूसरे सदस्य जस्टिस बागची ने कहा कि यह पाठ संविधान के बुनियादी ढांचे के खिलाफ है। दरअसल, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की नई रिलीज हुई क्लास आठ की सोशल साइंस किताब में हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका वाला शीर्षक अध्याय के तहत ज्यूडिशियरी में करप्शन पर एक सेक्शन शुरू किया गया है।

वरिष्ठ वकीलों ने उठाया मुद्दाः कपिल सिब्बल ने अदालत से स्वतः संज्ञान लेने की अपील की। अभिषेक मनु सिंघवी ने भी कहा कि ऐसी सामग्री छात्रों के मन में न्यायपालिका को लेकर गलत संदेश दे सकती है। सीजेआई ने दोनों वरिष्ठ वकीलों का धन्यवाद किया कि उन्होंने इस विषय को अदालत के संज्ञान में लाया।

क्या है विवाद का मूल कारण: एनसीईआरटी की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक के एक अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार शीर्षक से सामग्री जोड़ी गई है। इसी हिस्से को लेकर विवाद खड़ा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया है कि इस मामले में स्वतः संज्ञान लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मुद्दे को गंभीरता से लिया गया है। अदालत ने भरोसा दिलाया कि उचित और कानूनी कदम उठाए जाएंगे। सीजेआई ने कहा कि न्यायपालिका की गरिमा और विश्वसनीयता को बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पोते की मनाली में मौत

स्कीइंग के बाद तबीयत बिगड़ने से हुई मौत

मेट्रो रेज

रांची/मनाली: हिमाचल प्रदेश से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। झारखंड के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के पोते और बाबूलाल सोरेन के 19 वर्षीय बेटे वीर सोरेन की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार वीर अपने दोस्तों के साथ कुल्लू-मनाली घूमने गए थे। वहां स्कीइंग करने के बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। तुरंत उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिवार में कोहरामः इस घटना की सूचना मिलते ही पूर्व सीएम चंपाई सोरेन और बाबूलाल सोरेन दिल्ली के रास्ते हिमाचल प्रदेश के लिए रवाना हो गए। परिवार में भारी दुख का माहौल है। बताया जा रहा है कि वीर

सोरेन बाबूलाल सोरेन के बड़े बेटे थे। उनके अचानक चले जाने से परिवार और नजदीकी रिश्तेदारों में शोक की लहर है।

सूचना मिलते ही मनाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और उन्होंने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी। मृतक युवक झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का पोता तथा बाबू सोरेन का बेटा था। सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी मनाली पहुंच गए और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। मनाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सिविल अस्पताल मनाली से थाना में सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया है। उक्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम अस्पताल पहुंची और मृतक युवक वीर सोरेन के शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस टीम के निरीक्षण के दौरान शव पर किसी भी प्रकार के बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए। मृतक के साथ आए उसके मित्र अग्नय वर्मा निवासी उत्तर प्रदेश ने बताया कि वे 22 फरवरी को मनाली घूमने आए थे तथा वे सभी हिमालयन सैलेट होम स्टे सिमसा मनाली में ठहरे हुए थे।

23 फरवरी को वे सभी सोलंग/सेथन क्षेत्र घूमने गए तथा शाम को पुनः होम स्टे में ठहरे। वे सभी होम स्टे के आसपास घूमकर लगभग 12:30 बजे वापस लौटे तो वीर सोरेन सोया हुआ था। उठाने पर उसने बताया कि उसके सिर में अत्यधिक दर्द हो रहा है। जिस पर साथियों ने ब्लिंकिट के माध्यम से दवाई मंगवाकर उसे दी, जिसके बाद वह पुनः सो गया। दोपहर 2 बजे के करीब कमरे से गिरने की आवाज आई। जब उन्होंने जाकर देखा तो वीर सोरेन बैड से नीचे गिरा हुआ था। उसके बाद वे उसे गाड़ी में सिविल अस्पताल मनाली ले आए। अस्पताल लाते समय उसके मुंह से झाग निकलना शुरू हो गया था। अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा काफी देर तक सीपीआर दी, लेकिन बाद में उसे मृत घोषित कर दिया गया। डीएसपी मनाली केडी शर्मा ने बताया कि पुलिस द्वारा इस मामले में आगामी कार्रवाई की जा रही है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

पीएम मोदी इजरायल यात्रा पर रवाना बोले- दोनों देशों के संबंध होंगे और मजबूत

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उनकी इजरायल यात्रा से दोनों देशों के बीच संबंध और मजबूत होंगे तथा साझा विजन से दोनों देशों का भविष्य खुशहाल होगा। पीएम मोदी ने बुधवार को इजरायल की दो दिन की यात्रा पर रवाना होने से पहले एक वक्तव्य में कहा कि वह अपने इजरायली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू के निमंत्रण पर वहां जा रहे हैं और द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत के लिए उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह इजरायल के राष्ट्रपति से भी मिलेंगे, इजरायल की संसद को संबोधित करेंगे और वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों के साथ भी संवाद करेंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इजरायल के बीच एक मजबूत और कई तरह की रणनीतिक साझेदारी है, जिसमें

हाल के सालों में जबरदस्त बढ़ोतरी और तेजी देखी गई है। उन्होंने कहा,ह्व मैं प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ अपनी बातचीत का इंतजार कर रहा हूं, जिसका मकसद विज्ञान और प्रौद्योगिकी, नवाचार, कृषि, जल प्रबंधन, प्रौद्योगिकी, रक्षा और सुरक्षा, व्यापार तथा निवेश के साथ ही लोगों के बीच संबंधों सहित अलग-अलग क्षेत्रों में हमारे सहयोग को और मजबूत करना है। हम आपसी फायदे क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी अपने विचार शेयर करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह इस दौरान इजरायल के राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग से भी मिलेंगे। उन्होंने कहा, मुझे इजरायली संसद, नेसेट को संबोधित करने वाले पहले प्रधानमंत्री का भी सम्मान मिलेगा, यह एक ऐसा मौका होगा जो हमारे दोनों देशों को जोड़ने वाले मजबूत संसदीय और लोकतांत्रिक संबंधों को श्रद्धांजलि होगी।

पीएम मोदी ने कहा कि वह भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत करने का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं जो लंबे समय से भारत और इजरायल की खास दोस्ती को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि उनकी यात्रा से दोनों देशों के बीच के पक्के रिश्तों को और मजबूती मिलेगी, रणनीतिक साझेदारी के नए लक्ष्य तय होंगे और मजबूत तथा नवाचार पर आधारित खुशहाल भविष्य के लिए हमारे साझा विजन को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

ईडी के समन की अवहेलना मामले में मुख्यमंत्री को सुप्रीम कोर्ट से राहत

रांची/दिल्ली: ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) द्वारा दर्ज शिकायत वाद (कंप्लेन केस) पर रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम(मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी) द्वारा लिये गए संज्ञान को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई।

बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने उन्हें बड़ी राहत देते हुए इस मामले में रांची के एमपी- एमएलए कोर्ट की विशेष कोर्ट की कार्रवाई पर फिलहाल रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने ईडी को इस मामले में नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट के आदेश को सीएम ने सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती : सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और जस्टिस जॉयमंगल बागची की खंडपीठ में मुख्यमंत्री की याचिका पर सुनवाई हुई। हेमंत सोरेन की ओर से सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता प्रज्ञा सिंह बघेल ने बहस की। बता दें कि इससे पहले झारखंड हाईकोर्ट ने एमपी- एमएलए कोर्ट के आदेश को रद्द करने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद हाईकोर्ट के आदेश को मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

खलारी के छात्र की पटना के सीएनएलयू में संदिग्ध परिस्थिति में मौत

रांची/पटना: पटना और रांची में हड़कंप मच गया है, जब सीएनएलयू (चाणक्य नेशनल लॉ कॉलेज) के हॉस्टल में पढ़ाई कर रहे एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त रांची के खलारी थाना क्षेत्र के रहने वाले मयंक राज के तौर पर की गई है। मयंक एलएलएम के फाइनल ईयर में था और हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा था। उनके पिता कोल माइंस में वरिष्ठ अधिकारी के पद पर कार्यरत बताए जा रहे हैं।

हॉस्टल में मिली बॉडी, अंदर से बंद था कमराः मिली जानकारी के अनुसार यह घटना तब सामने आई जब मयंक के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था और वह काफी देर तक बाहर नहीं आने पर कर्मचारियों को शक हुआ। उन्होंने दरवाजा खोला तो मयंक को खिड़की से लगे फंदे से लटका हुआ पाया। इमरजेंसी में उन्हें नीचे उतारा गया और तुरंत पटना के मेदांता अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन इलाज के दौरान मयंक की मौत हो गई।

पुलिस टीम जांच में जुटीः घटना की जानकारी मिलते ही जक्कनपुर पुलिस स्टेशन की टीम एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) के साथ हॉस्टल पहुंची। पुलिस ने कमरे की गहन छानबीन की और मौके से एक पत्र, आईफोन, आईपैड, आईकार्ड और अन्य पहचान संबंधी दस्तावेज बरामद किए। सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और दस्तावेज सुरक्षित रखे गए हैं ताकि जांच में उनका उपयोग किया जा सके। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मयंक की आखिरी गतिविधियां क्या थीं और क्या उनके जीवन में किसी तरह का दबाव या विवाद चल रहा था।

पत्र में प्रेम प्रसंग का जिक्र : प्राथमिक जांच में जो पत्र मिला है, उसमें कथित तौर पर प्रेम प्रसंग का जिक्र है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पत्र से संकेत मिलता है कि मयंक अपने रिश्ते को लेकर मानसिक रूप से परेशान थे। हालांकि, पुलिस ने अभी तक आधिकारिक तौर पर आत्महत्या की पुष्टि नहीं की है। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। कहीं कोई दबाव, ब्लैकमेलिंग या अन्य कारण तो नहीं, यह भी देख रही है।

परिजनों ने जताया संदेह, निष्पक्ष जांच की मांग: मयंक के परिजन तुरंत पटना पहुंचे। अस्पताल में मृतक की मां मधु ने पुलिस को बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनका बेटा आत्महत्या नहीं कर सकता। उनका कहना है कि मयंक पढ़ाई में अच्छा था और भविष्य को लेकर गंभीर था। मधु ने किसी पर सीधे आरोप नहीं लगाया, लेकिन उन्होंने मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग की।

पोस्टमार्टम और डिजिटल जांच : पुलिस ने मामले में यूडी (अप्राकृतिक मौत) केस दर्ज किया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों का पता चलेगा। साथ ही, मोबाइल और अन्य डिजिटल डिवाइस की फॉरेंसिक जांच भी की जाएगी, जिससे पता चलेगा कि मयंक ने घटना से पहले किसी से बातचीत की थी या कोई संदेश छोड़ा था या नहीं।

विश्वविद्यालय प्रशासन और छात्र भी स्तब्धः विश्वविद्यालय प्रशासन ने दुख जताया है और पुलिस जांच में पूरा सहयोग देने की बात कही है। हॉस्टल के अन्य छात्र भी इस घटना से स्तब्ध हैं। कई छात्रों ने बताया कि मयंक शांत स्वभाव के थे और अपनी पढ़ाई पर ध्यान देते थे। हालांकि, कुछ का कहना है कि वह पिछले कुछ समय से परेशान दिख रहे थे।

धनबाद कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी वकीलों-कर्मचारियों को निकाला गया बाहर

सभी न्यायिक कार्य अस्थायी रूप से स्थगित

धनबादः जिले में कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद प्रशासन और पुलिस में हड़कंप मच गया। धमकी के बाद तुरंत पूरे कोर्ट परिसर को खाली कराया गया। सुरक्षा के कारण 28 कोर्ट भवनों में चल रहे सभी न्यायिक कार्य अस्थायी रूप से रोक दिए गए।

डॉग स्क्वॉड से तलाशी अभियान जारी : परिसर में मौजूद वकीलों, कर्मचारियों और आम लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। मौके पर सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, डीएसपी और कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पहुंचकर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस ने सुरक्षा बढ़ाते हुए कोर्ट परिसर में भारी संख्या में बल तैनात किया है। डॉग स्क्वॉड और मेटल डिटेक्टर से तलाशी अभियान चलाया जा रहा है और संदिग्ध वस्तुओं की जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां धमकी की सत्यता और स्रोत का पता लगाने में लगी हैं।

यह घटना रांची और पटना में इसी तरह की धमकियों के बाद हुई है। 12 फरवरी 2026 को रांची के समाहरणालय को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। इससे पहले सिविल कोर्ट को भी धमकी मिली थी।

चार हत्याओं से दहली दिल्ली

सनकी पिता ने तीन मासूम बच्चियों का काटा गला, पत्नी को भी बेरहमी से मार डाला

नई दिल्ली: दिल्ली के समयपुर बादली के चंदन पार्क इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। एक शख्स ने कथित तौर पर अपनी पत्नी और तीन मासूम बेटियों की धारदार हथियार से गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार आरोपी की तलाश जारी है।

पुलिस के मुताबिक, आज सुबह समयपुर बादली थाना क्षेत्र के चंदन पार्क के एक मकान में चार लोगों की हत्या की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तुरंत मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब दरवाजा खोला तो अंदर का मंजर देखकर वे भी सन्न रह गए। घर के ग्राउंड फ्लोर पर बने एक कमरे में तीन छोटी बच्चियों और एक महिला के शव खून से लथपथ पड़े पड़े मिले। सभी के गले पर गहरे घाव थे, जो किसी तेज धार वाले हथियार के थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीमों को घटनास्थल पर बुलाया गया। घटनास्थल का मुआयना करने के

बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया है।

जांच में मृतकों की पहचान अनीता (30 वर्ष), पति मुंचन केवट, और उनकी तीन बेटियों (उम्र तीन, चार और पांच वर्ष) के रूप में हुई है। अनीता और उसकी बेटियां बिहार के पटना जिले की मूल निवासी थीं। परिवार दिल्ली के आजादपुर मंडी में सब्जी बेचने वाले मुंचन के साथ इसी पते पर रह रहा था।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में अनीता का पति मुंचन केवट घटना के बाद से ही फरार है और उसे इस जघन्य हत्याकांड का मुख्य संदिग्ध माना जा रहा है। पड़ोसियों ने सुबह घर का दरवाजा खुला देखकर और किसी भी हलचल न होने पर पुलिस को सूचित किया था।

पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजः घटनास्थल को सील कर दिया गया है और फॉरेंसिक टीम को बुलाकर सबूत जुटाए जा रहे हैं। फरार आरोपी की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं और आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपी पति के बारे में कोई सुराग मिल सके। पुलिस का कहना है कि आरोपी पति को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

न्यूज IN ब्रीफ

हिण्डालको ने बांटा चश्मा

मुरी : बांसारूली में आज निशुल्क चश्मा वितरण किया गया और आगामी 26 दिन गुरुवार को पिस्का पंचायत वितरण किया जाएगा। ज्ञात हो कि पिछले माह जनवरी में हिण्डालको द्वारा बांसारूली और पिस्का पंचायत में निशुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया था। जांच शंकर नेत्रालय फाउंडेशन चेन्नई के कोलकाता यूनिट द्वारा किया गया था।

मशीन शॉप की रोल ग्राइंडिंग मशीन का नवीनीकरण

बोकारो: परिचालन संबंधी गंभीर बाधाओं व जाम होने की समस्याओं से जूझ रही थी मशीन, तकनीकी समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए प्लांट की आंतरिक टीम ने की पहल। बोकारो, बोकारो इस्पात संयंत्र के मशीन शॉप में स्थापित जर्मन निर्मित रोल ग्राईंडिंग मशीन का विद्युत एवं यांत्रिकी अनुरक्षण टीम द्वारा सफलतापूर्वक नवीनीकरण किया गया। मशीन शॉप की इस पहल से न केवल रोल ग्राईंडिंग मशीन की कार्यक्षमता व विश्वसनीयता में वृद्धि हुई है, बल्कि इससे मशीन की उपलब्धता भी सुनिश्चित हुई है। आंतरिक संसाधनों के माध्यम से किया गया यह नवीनीकरण कार्य संयंत्र की उत्पादकता बढ़ाने व परिचालन लागत कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बताया गया कि कुछ महीनों से यह मशीन परिचालन संबंधी गंभीर बाधाओं व जाम होने की समस्याओं से जूझ रही थी, जिस कारण इसका संचालन अत्यंत कठिन व चुनौतीपूर्ण हो गया था। इन तकनीकी समस्याओं के स्थायी समाधान के लिये संयंत्र की आंतरिक टीम ने इस मशीन के पूर्ण कायाकल्प की पहल की। यह उपलब्धि अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनूप कुमार दत्त, मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) शरद गुप्ता व मशीन शॉप के विभागाध्यक्ष पीपी सिंह के मार्गदर्शन व नेतृत्व में प्राप्त की गयी। कार्य को मशीन शॉप के वरीय प्रबंधक शुभलेन्दु कुमार, नितिन सक्सेना व सहायक प्रबंधक मनोज कुमार द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस परियोजना में हरिहर राउत, महाप्रबंधक (इटीएल), अनिंद्य पाल, सहायक महाप्रबंधक (ईआरएस) व नवीन कुमार, वरीय प्रबंधक (इआरएस) का तकनीकी सहयोग सराहनीय रहा। मशीन शॉप से इन कार्यों का पर्यवेक्षण सहायक महाप्रबंधक डीके मंडल द्वारा किया गया। नवीनीकरण की प्रक्रिया के दौरान यांत्रिकी टीम ने मशीन के समस्त हिस्सों को खोलकर उनकी गहन ओवरहॉलिंग की और जाम होने की समस्या को जड़ से समाप्त किया। इसके साथ ही मशीन के गियरबॉक्स का भी पूर्ण जीर्णोद्धार किया गया। दूसरी ओर, विद्युत अनुरक्षण टीम ने ईटीएल व ईआरएस विभागों के सहयोग से मशीन के प्रमुख घटकों जैसे कंट्रोल केबल्स व रिले लॉजिक सिस्टम का सफलतापूर्वक प्रतिस्थापन किया।

निराशा भरा बजट ,गुमला की उपेक्षा : मिशिर

गुमला : झारखंड विस में प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए युवा नेता मिशिर कुजूर ने कहा है कि हेमंत सरकार द्वारा जारी बजट में राज्य के समग्र विकास की बात कही गयी है। लेकिन गुमला जैसे आदिवासी व पिछड़े जिलों के लिए ठोस व स्पष्ट प्रावधान का अभाव चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि गुमला जिला आज भी सड़क, सिंचाई, स्वास्थ्य, शिक्षा व रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। ऐसे में इस जिले के लिए विशेष पैकेज व लक्षित योजनाओं की आवश्यकता थी, जो इस बजट में स्पष्ट रूप से दिखायी नहीं देती। मिशिर कुजूर ने कहा कि गुमला के किसान आज भी बारिश पर निर्भर हैं। सिंचाई की स्थायी व्यवस्था, कृषि संसाधनों की उपलब्धता और बाजार की सुविधा सुनिश्चित किये बिना किसानों की आय बढ़ाना संभव नहीं है। इस प्रकार युवाओं के लिए रोजगार के ठोस अवसर व कौशल विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन अत्यंत आवश्यकता थी, जो इस बजट में स्पष्ट रूप से दिखायी नहीं देती है।

निराशाजनक और उपेक्षापूर्ण बजट : शकुंतला

भाजपा नेत्री सह नप की अध्यक्ष उम्मीदवार शकुंतला उरांव ने कहा है कि 2026-27 का केंद्रीय बजट झारखंड के लिए एक निराशाजनक और उपेक्षापूर्ण बजट है। राज्य को विशेष पैकेज, नयी रेल लाइनों, या बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में नजरअंदाज किया गया है। झारखंड को केंद्रीय बजट में कोई विशेष पैकेज या सौगात नहीं मिली है, जिससे औद्योगिक व बुनियादी ढांचे के विकास की उम्मीदों को झटका लगा है। नयी ट्रेनें, नयी रेल लाइनें या बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की घोषणा नहीं की गयी, जो राज्य की प्रमुख मांग थी। बजट में गुमला की उपेक्षा की गयी है। गुमला जिला काफी पिछड़ा क्षेत्र है। लेकिन जब भी झारखंड सरकार की बजट आया है। गुमला को बजट में शून्य कर दिया जाता है। यही वजह है कि गुमला जिले का जितना विकास होना चाहिए, वह नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार चाहती, तो गुमला आज के दिन में पिछड़ा जिला नहीं होता। गुमला को कब का रेल लाइन की सुविधा मिल जाती।

वोटर लिस्ट में गड़बड़ी से निर्वाचन आयोग नाराज, दोषी होंगे चिह्नित

रांचीः रांची नगर निकाय चुनाव में मतदाता सूची में बड़ी गड़बड़ी और अव्यवस्था सामने आने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने कड़ा रुख अपनाया है। राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी ने विभिन्न समाचार पत्रों में छपी खबरों पर संज्ञान लेते हुए दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों को चिह्नित करने का आदेश दिया है। उन्होंने रांची के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी को पत्र भेज कर सात दिन में जांच प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया है। पदाधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित की जायेः पत्र में कहा गया है कि मतदाता सूची तैयार करनेवाले बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) सहित संबंधित पदाधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित की जाये। आयोग से दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की जाये। मालूम हो कि रांची नगर निगम की मतदाता सूची तैयार करने और वार्डवार विखंडन में हुई त्रुटियों के कारण सैकड़ों मतदाताओं को बिना वोट दिये बूथ से वापस लौटना पड़ा था। बड़ी संख्या में मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम नहीं मिलने, नाम कटने या दूसरे वार्ड में स्थानांतरित होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा था। अव्यवस्था का आलम यह था कि आम जनता के साथ-साथ खास लोग भी परेशान नजर आये। केंद्रीय मंत्री की पत्नी वार्ड 33 की वोटर, पर नाम वार्ड 34 की सूची मेंः केंद्रीय मंत्री संजय सेठ की पत्नी वार्ड 33 की वोटर हैं, लेकिन उनका नाम वार्ड 34 की सूची में मिला। इसी तरह कई इलाकों में मतदाता अपने पहचान पत्र लेकर बूथों पर भटकते रहे, लेकिन लिस्ट में नाम नहीं होने से उन्हें निराशा हाथ लगी। इससे लोगों में नाराजगी देखी गयी थी। कई बूथों पर दोपहर के समय सन्नाटा पसरा रहा, क्योंकि मतदाता एक से दूसरे बूथ तक चक्कर काटने के बाद हार मानकर घर लौट गये थे।

झारखंड में कैंसर का इलाज होगा सस्ता

संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार ने बजट में कैंसर इलाज के लिए 200 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान कर स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा कदम उठाया है। साथ ही सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पेट-स्कैन मशीन लगाने की घोषणा से मरीजों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इस फैसले का सबसे ज्यादा फायदा राज्य के प्रमुख अस्पताल राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) को मिलेगा।

कैंसर इलाज को मिलेगी मजबूतीः सरकार ने कैंसर मरीजों की बेहतर जांच और इलाज के लिए 200 करोड़ रुपये अलग से रखने का फैसला किया है। इसके तहत सरकारी मेडिकल कॉलेजों में आधुनिक पेट-स्कैन मशीनें लगाई जाएंगी। यह सुविधा शुरू होने से मरीजों को निजी जांच केंद्रों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। रांची स्थित रिम्स राज्य का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है। यहां हर महीने लगभग 600 नए कैंसर मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। झारखंड के अलावा बिहार, ओड़िशा और पश्चिम बंगाल से भी बड़ी संख्या में मरीज यहां आते हैं। हालांकि रिम्स में कैंसर विभाग अलग से काम कर रहा है, लेकिन अभी पेट-स्कैन जैसी उन्नत जांच की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसके कारण मरीजों को निजी केंद्रों में जांच करानी पड़ती है, जहां एक पेट-स्कैन जांच का खर्च 25 से 30 हजार रुपये तक आता है। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए यह बड़ी परेशानी है।

पेट-स्कैन क्यों है जरूरी?: ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञों के अनुसार, पेट-स्कैन जांच से कैंसर की सही स्टेज का पता चलता है। इससे यह भी मालूम होता है कि कैंसर शरीर के किस हिस्से तक फैला है और इलाज कितना असरदार हो रहा है। समय पर और सही जांच से

इलाज की सफलता की संभावना बढ़ जाती है। अभी संसाधनों की कमी के कारण सभी मरीजों को यह जांच नहीं लिखी जा पाती। अगर अस्पताल में ही यह सुविधा शुरू हो जाती है तो इलाज और बेहतर और सटीक हो सकेगा। पूर्वी भारत में बढ़ रहे कैंसर के मामलेः देश में हर साल लाखों नए कैंसर मरीज सामने आ रहे हैं। पूर्वी भारत के राज्यों में तंबाकू से जुड़े कैंसर के मामले ज्यादा देखे जा रहे हैं। ऐसे में क्षेत्रीय स्तर पर बेहतर जांच और इलाज की सुविधा बढ़ाना जरूरी हो गया है। बजट से क्या होगा फायदा?: इस बजट प्रावधान से सिर्फ मशीनें ही नहीं लगेंगी, बल्कि प्रशिक्षित डॉक्टर और तकनीशियन, रेडियो फार्मास्यूटिकल दवाओं की आपूर्ति और मशीनों के रखरखाव की व्यवस्था भी मजबूत होने की उम्मीद है। यदि योजना समय पर लागू होती है तो रिम्स पूर्वी भारत का एक बड़ा कैंसर उपचार केंद्र बन सकता है। मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में पेट-स्कैन सुविधा शुरू होने से उनका आर्थिक बोझ कम होगा और इलाज के लिए दूसरे राज्यों में जाने की जरूरत भी घटेगी। कुल मिलाकर, यह फैसला झारखंड में कैंसर इलाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इनकम टैक्स की बोकारो में दो जगहों पर छापेमारी, डीएमएफटी घोटाले की चल रही जांच

संवाददाता

बोकारो : जिले में आयकर विभाग ने मंगलवार दोपहर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) फंड के कथित दुरुपयोग से जुड़ी बतायी जा रही है। टीम ने चास और बोकारो शहर के अलग-अलग इलाकों में दबिश देकर कई दस्तावेज खंगाले। देर रात तक जांच जारी रहने की सूचना है।

चास और सेक्टर नौ में पड़ी दबिश

: आयकर विभाग की टीम ने चास की प्रभात कॉलोनी में ठेकेदार सोनू मिश्रा के आवास पर छापा मारा। इसके साथ ही सेक्टर नौ की 37 स्ट्रीट स्थित मकान संख्या-978 में प्रकाश जेरॉक्स के मालिक प्रकाश कुमार के यहां भी जांच की गई। सूत्रों के मुताबिक करीब 15 अधिकारी सात वाहनों से पहुंचे थे। कार्रवाई को लेकर पूरे इलाके में हलचल मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई रांची आयकर विभाग की टीम द्वारा की जा रही है। हालांकि विभाग की ओर से आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

डीएमएफटी फंड के दुरुपयोग की आशंकाः सूत्रों के अनुसार, आयकर विभाग इस बात की जांच कर रहा है कि क्या डीएमएफटी फंड से जुड़े ठेकों और सप्लाई के कामों में सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ है। सोनू मिश्रा ने जिले के विभिन्न सरकारी स्कूलों में बड़े पैमाने पर वाल पेंटिंग का कार्य किया था। वहीं प्रकाश जेरॉक्स ने स्कूलों और अन्य सरकारी संस्थानों में सामग्री आपूर्ति का काम संभाला था। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या इन कार्यों में वास्तविक खर्च से अधिक भुगतान दिखाया गया या फिर किसी तरह की वित्तीय अनियमितता की गई। दस्तावेजों और लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड की गहन जांच की जा रही है।

51 लाख नकदी जब्ती से जुड़ा मामलाः जानकारी के अनुसार, आयकर विभाग की जांच की शुरूआत पिछले वर्ष गोला थाना क्षेत्र में हुई एक घटना से हुई थी। वहां जिले के एक क्लर्क की गाड़ी से 51 लाख रुपये नकद बरामद किये गये थे। इस बरामदगी के बाद विभाग ने डीएमएफटी योजनाओं से जुड़े कई लोगों को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया था। सूत्र बताते हैं कि कई बार नोटिस भेजे जाने के बावजूद संबंधित लोग पेश नहीं हुए। इसके बाद विभाग ने साक्ष्यों के आधार पर छापेमारी की रणनीति तैयार की। माना जा रहा है कि जब्त नकदी और डीएमएफटी योजनाओं के भुगतान के बीच संभावित संबंध की जांच की जा रही है। राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचलः छापेमारी के बाद जिले के राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। सोनू मिश्रा को एक प्रभावशाली प्रशासनिक अधिकारी का करीबी बताया जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस वजह से मामले को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। आयकर विभाग फिलहाल दस्तावेजों और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच में जुटा है। यदि जांच में वित्तीय अनियमितता के ठोस प्रमाण मिलते हैं, तो आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल बोकारो में हुई यह कार्रवाई डीएमएफटी फंड की पारदर्शिता और उपयोग पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

सहियाओं को पांच माह से नहीं मिला है मानदेय, परेशानी

संवाददाता

गुमला : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत कार्यरत सहिया, सहिया साथी, बीटीटी और एसटीटी को पांच माह से प्रोत्साहन राशि और मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। भुगतान लंबित रहने से सभी कर्मियों को आर्थिक व पारिवारिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नियमित रूप से स्वास्थ्य सेवाओं का निर्वाहन करने के बावजूद भुगतान नहीं होने से कर्मियों में असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इस समस्या के समाधान के लिए मंगलवार को उपविकास आयुक्त और सिविल सर्जन को सहिया सह सामूहिक प्रशिक्षक संघ द्वारा मांग पत्र सौंपा गया। मांग पत्र सौंपे जाने से पूर्व सदर अस्पताल परिवार स्थित सिविल सर्जन कार्यालय के समीप संघ की एक बैठक संरक्षण बबीता देवी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जिले के सभी प्रखंड से आये सहिया, सहिया साथी, बीटीटी ने भाग लिया। बैठक में पिछले चार से पांच माह से प्रोत्साहन राशि और मानदेय नहीं मिलने से हो रही समस्या पर चर्चा की गयी। चर्चा के बाद सभी सहिया, सहिया साथी, बीटीटी और एसटीटी के लंबित प्रोत्साहन राशि/मानदेय का अविलंब भुगतान, एसएनए स्पर्श के माध्यम से भुगतान प्रक्रिया को सरल व नियमित करने, विभाग द्वारा देय सभी भुगतान हर माह समय पर देने आदि विषयों पर चर्चा हुई। इसके बाद सहिया, सहिया साथी और बीटीटी का एक शिष्टमंडल द्वारा मांग पत्र सौंपा। संघ की उपाध्याय अंजना साहू, उर्मिला देवी, सचिव जीवंती कुमारी ने कहा कि अगर जल्द हमारी मांगों को पूरा नहीं किया गया, तो हम आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। मौके पर बबीता देवी, पारसनाथ साहू, सुशांतिधारी किंडो, वीरेंद्र उरांव, सारिका तिर्की, एजरस एक्का, शांता टोप्पो, मंजुला मिंज, जोसफिन कुजूर, जीवंती कुमारी, जयमनी तिर्की, अंजू खलखो, संगीता खलखो, उर्मिला देवी, पुष्पा देवी, बालमुकुंद भगत, जसिंता कुजूर, रोजालिया कुजूर, पदमा कुमारी, अंजू तिर्की, अनिता बाड़ा, अरुणा देवी, ममता देवी, गीता देवी, देवेश कुमार, जसिंता तोपनो, बबीता देवी, चिंता देवी, सुजीता उरांव, फुलन कुमारी, सिलवंती मिंज, हीरामती देवी, विनिता सोरेंग, लुसी बैक, अंजना साहू, सहिया साथी और सहिया बहनें उपस्थित थीं।

सामूहिक दुष्कर्म के चारो आरोपी गिरफ्तार

गुमलाः भरनो थाना क्षेत्र के समसेरा नदी के समीप एक 20 वर्षीय युवती से सामूहिक दुष्कर्म हुआ है। हालांकि, दुष्कर्म के बाद पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। कुछ ही घंटों में चार आरोपियों को भरनो पुलिस ने गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया। आरोपियों में समसेरा गांव निवासी राजकुमार उरांव (21 वर्ष), विष्णु गोप (19 वर्ष), नरकोपी थाना क्षेत्र के मसियातू गांव निवासी विकास मुंडा (22 वर्ष) और बटकुरी गांव निवासी विकास उरांव (21 वर्ष) शामिल हैं। दुष्कर्म की घटना सोमवार की शाम करीब सात बजे की है।

रात में ही थाने पहुंची पीड़िताः पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, पीड़िता रायकेरा गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने गयी थी। चारों आरोपी युवक भी उसी शादी समारोह में गए थे। शादी समारोह में शामिल होने के बाद युवती वापस अपने गांव जाने के लिए समारोह स्थल से बाहर निकली। तभी एक आरोपी ने उसे घर पहुंचाने की बात कहकर अपनी बाइक पर बिठा लिया और समसेरा नदी के समीप बाइक रोककर अपने तीन अन्य दोस्तों को भी वहां बुला लिया। इसके बाद चारों आरोपियों ने उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया और उसे वहीं छोड़कर भाग गये। युवती किसी तरह अपने घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी।

युवती एक आरोपी को पहचान चुकी थी। रात में ही युवती अपने परिजनों के साथ थाना पहुंची और आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज कराया। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी कंचन प्रजापति और एसआइ अभिनंदन कुमार ने दलबल के साथ छापामारी कर महज दो घंटे में ही चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और मंगलवार की सुबह न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

थाना प्रभारी कंचन प्रजापति ने क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि अपनी बच्चियों को शादी-विवाह, जतरा-मेला में अकेले नहीं भेजें। इस तरह की घटना कई बार हो रही है। इससे पूर्व भी एक युवती जायरा जतरा देखकर शाम को अकेले घर जा रही थी और उसके साथ गैंगरेप की घटना घटी थी।

ग्रामीणों ने श्रमदान से बनायी सड़क

लापुंगः प्रखंड के डाड़ी पंचायत अंतर्गत साखेटोली जानेवाली सड़क में ग्रामीणों ने श्रमदान कर मिट्टी-मोरम डालकर चलने के अनुकूल बनाया। ग्रामीणों ने कहा कि

सांसद, विधायक व स्थानीय जनप्रतिनिधियों की अनदेखी से उन्हें आवागमन में काफी परेशानी होती है। ग्रामीण गांव की सड़क को पक्की कराने के लिए कई बार जनप्रतिनिधियों से मिले और लिखित आवेदन भी दिया। मुखिया सुमिला मिंज ने कहा कि साखेटोली से कारुम तालाब तक दो किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण की मांग विधायक व सांसद के साथ-साथ ग्राम पंचायत से भी की गयी। लेकिन पंचायती राज विभाग में राशि नहीं रहने का बहाना बनाया गया। श्रमदान करनेवालों में कृष्णा गोप, सचिन मुंडा, प्रेमचंद होरो, विश्वास होरो, पवन होरो, अनुवेल होरो, कचु मुंडा, अजय वेडिंग, महेंद्र मुंडा, लक्ष्मण मुंडा, नरेंद्र होरो, अरविंद कुमार तुरी, कृष्णा गोप, ज्वेल होरो, आर्यन मुंडा व ग्रामीण शामिल हैं।

रमजान : भूख से परे – रूह को सुधारने का महीना

शोएब अख्तर

रमजान का पवित्र महीना चल रहा है, दुनिया भर में लाखों लोग रोजा रखते हैं, नमाज पढ़ते हैं, और माफी मांगते हैं। फिर भी रमजान को सिर्फ. भूख और प्यास तक सीमित नहीं किया गया था। यह सिर्फ. खाने-पीने से परहेज करने के बारे में नहीं है–यह खुद को अनुशासित करने और खुद को बेहतर बनाने के बारे में है।

कुरान सिखाता है कि रोजा इसलिए रखा गया था ताकि मानने वाले तकवा पा सकें–अल्लाह की एक गहरी समझ जो व्यवहार को बनाती है और नैतिक चरित्र को मजबूत करती है। भूख तो बस ऊपरी तौर पर है; असली मकसद खुद पर काबू रखना और ज़िम्मेदारी लेना है।

पैगंबर मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) ने हमें बताया कि जब रमजान शुरू होता है, तो जन्नत के दरवाजे खुल जाते हैं, जहन्नम के दरवाजे बंद हो जाते हैं, और शैतानों को जंजीरों में जकड़ दिया जाता है (बुखारी, मुस्लिम)। जानकार बताते हैं कि इस महीने में ताकतवर बागी शैतानों पर काबू पा लिया जाता है, जिससे उनका असर कम हो जाता है और अच्छाई का पीछा करना आसान हो जाता है। फिर भी अगर बेईमानी, नाइंसाफी, धोखा, या दूसरे तरह के गलत काम अभी भी होते हैं, तो हम उन्हें सिर्फ शैतान का दोष नहीं दे सकते। रमजान हमें याद दिलाता है कि गहरा संघर्ष हमारे अंदर है–हमारे अपने नफ्स में, हमारी आदतों में, और हमारी बेकाबू इच्छाओं में।

रमजान हमें नफरत दूर करने और एकता को मजबूत करने के लिए कहता है। यह व्यवहार में ईमानदारी, बोलने में ईमानदारी और रिश्तों में सम्मान को बढ़ावा देता है। यह हमें सिखाता है कि जो हमारा नहीं है उसे न खाएं, किसी पर जुल्म न करें, और किसी के साथ धोखा न करें। रोजे की कीमत किरदार में दिखती है। अगर सब्र बढ़ता है, विनम्रता बढ़ती है, और दया दिखाई देती है, तो रमजान की भावना हमारे अंदर ज़िंदा है।

सच्चा बदलाव सिर्फ दूसरों, हालात या समाज को दोष देने से नहीं आएगा। यह तब शुरू होता है जब हम खुद के साथ बैठते हैं, ईमानदारी से अपनी कमजोरियों पर सोचते हैं, और अपनी कमियों की ज़िम्मेदारी लेते हैं। कुरान हमें याद दिलाता है कि अल्लाह किसी भी इंसान की हालत तब तक नहीं बदलता जब तक वह अपने अंदर की चीजों को न बदल ले। जब हम अपनी गलतियाँ निकालने के बजाय खुद को सुधारना चुनते हैं, तो सही बदलाव मुमकिन हो जाता है।

यह महीना सिर्फ. अल्लाह पर हमारा भरोसा भी बढ़ाता है। इंसानी उम्मीदें निराशा की वजह बन सकती हैं, लेकिन अल्लाह पर भरोसा करने से मजबूती और उम्मीद मिलती है। गाइडेंस (हिदाया) उसी के पास है, जबकि सच्ची कोशिश हमारा फर्ज है।

ऐसे जमाने में जहाँ ज्ञान बहुत है और याद दिलाने वाली बातें लगातार होती रहती हैं, सिर्फ. जानकारी काफी नहीं है। ज्ञान की वैल्यू तभी होती है जब उसे अमल में लाया जाए। रमजान सिर्फ. दिखावे या दिखावटी धार्मिकता के बारे में नहीं है; यह ईमानदारी को मजबूत करने, कैरेक्टर को बेहतर बनाने और अपने कामों को अपने ईमान के साथ जोड़ने के बारे में है।

यह डिसिप्लिन, ईमानदारी और नैतिक ज़िम्मेदारी के लिए एक ट्रेनिंग ग्राउंड है।

रोजा शरीर को अंधा करता है ताकि रूह की आँखें खुल सकेः मौलाना जलालुद्दीन रूमी (आरए) रमजान सिर्फ. भूख के बारे में नहीं है–यह सेल्फ-कंट्रोल के बारे में है।

यह सिर्फ. कंट्रोल के बारे में नहीं है बल्कि अकाउंटेबिलिटी के बारे में भी है।

सिर्फ. रीति-रिवाजों के बारे में नहीं–बल्कि सुधार के बारे में भी है। जैसे-जैसे यह मुबारक महीना आगे बढ़ेगा, हमारे रोजे की असली कामयाबी इस बात से नहीं मापी जाएगी कि हम कितने समय तक भूखे रहे, बल्कि इस बात से मापी जाएगी कि हमने कितना सुधार किया।

रमजान की असली कामयाबी भूखे रहना नहीं है। यह बेहतर बनना है।

अल्लाह इस रमजान को हमारी ज़िंदगी में एक सच्चा टर्निंग पॉइंट बनाए–हमारे किरदार को बदले, हमारे ईमान को गहरा करे, और हमारे दिलों को एकता, ईमानदारी, प्यार और हमेशा रहने वाली दुआओं से भर दे।

झारखंड विधानसभा का बजट सत्र: अमित कुमार के सवाल पर बोलें मंत्री-

पुल निर्माण के लिए अधिकतम 10 करोड़ ही मिलेंगे

विधायक अरूप चटर्जी नेनगर पालिका कर्मियों की सेवा नियमावली पर उठाया सवाल

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बुधवार को सदन की कार्यवाही अल्पसूचित प्रश्नों के साथ शुरू हुई। प्रश्नकाल में विधायकों ने नगर निकायों में कर्मियों की सेवा नियमावली, परिवहन विभाग में रिक्तियों और पीडब्ल्यूडी की निविदाओं में देरी जैसे गंभीर मुद्दे उठाए।

नगर पालिका कर्मियों की सेवा नियमावली पर सवालः विधायक अरूप चटर्जी ने सदन में नगर पालिकाओं में कार्यरत 63 अधिकारियों की सेवा नियमावली पर चिंता जताई। उन्होंने पूछा कि इन कर्मियों के भविष्य और सेवा शर्तों को लेकर सरकार क्या स्पष्ट कर सकती है। संबंधित मंत्री ने जवाब में कहा कि ये अधिकारी राज्य कर्मी की श्रेणी में नहीं आते। ये स्पष्ट रूप से नगरपालिका के कर्मचारी हैं और उन पर नगरपालिका नियमावली ही लागू होती है।

परिवहन विभागः मोटरयान निरीक्षक पदों की कमी

विधायक चंद्रदेव महतो ने परिवहन विभाग में मोटरयान निरीक्षकों की कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने पूछा कि 2023 में

नियुक्तियों के बाद भी पद रिक्त हैं या नहीं। विभाग ने बताया कि 2023 में 46 पदों के लिए अधिसूचना जारी की गई थी, जो पूरी कर ली गई है। वर्तमान में कोई पद खाली नहीं है, लेकिन भविष्य की जरूरत को देखते हुए 21 नए पदों के लिए दिसंबर में अधिसूचना भेजी जा चुकी है।

पीडब्ल्यूडी निविदाओं में देरी, मंत्री ने अधिकारियों को चेतायाः सदन में सबसे तीखी बहस पीडब्ल्यूडी की निविदाओं को लेकर हुई। विधायक हेमलाल मुर्मू और मथुरा महतो ने आरोप लगाया कि नियमावली के अनुसार निविदाओं का निष्पादन 180 दिनों में होना चाहिए, लेकिन कई निविदाएं एक साल से लंबित हैं। मंत्री ने स्वीकार किया कि देरी हुई है और आश्वासन दिया कि 2024-25 की सभी लंबित निविदाओं को निष्पादित करने का निर्देश दे दिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 30 दिनों के भीतर निविदा प्रक्रिया पूरी नहीं हुई या रद्द नहीं की गई, तो दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

पुल निर्माण की राशि पर पेच, अध्यक्ष ने सुझाया समाधानः विधायक अमित कुमार ने सड़कों और पुलों के निर्माण के लिए आवंटित राशि की सीमा (10 करोड़) पर चिंता जताई। उनका कहना था कि इससे बड़े पुलों का निर्माण बाधित हो रहा है। विधानसभा अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि यदि ग्रामीण विकास विभाग के पास 10 करोड़ से अधिक के पुल बनाने का प्रावधान नहीं है, तो ऐसी योजनाओं को पीडब्ल्यूडी को ट्रांसफर कर दिया जाए, ताकि निर्माण में किसी प्रकार की तकनीकी या वित्तीय बाधा न आए।

राजेश कच्छप ने एचईसी की जमीनों के अवैध हस्तांतरण और गलत तरीके से हो रहे निबंधन का मामला उठाया

रांची: झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने भारी उद्योग निगम (एचईसी) की जमीनों के अवैध हस्तांतरण और गलत तरीके से हो रहे निबंधन का मामला प्रमुखता से उठाया। विधायक ने सदन को अवगत कराया कि जिस स्थान पर पहले से निर्माण हो चुका है, वहां की जमीनों का दोबारा रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों के बीच भय और अनिश्चितता का माहौल है।

जमीन न जागीरदार की, न जमींदार की, फिर रसीद कैसे?

विधायक राजेश कच्छप ने भू-राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए कहा कि ठक्ठ के पोर्टल से ऐसी जमीनों की लगान रसीदें निर्गत की जा रही हैं, जिनका कोई स्पष्ट रिकॉर्ड अंचल कार्यालय में मौजूद नहीं

सरकार ने कहा 3 महीने में पूरी होगी जांचः इस गंभीर मुद्दे पर सरकार की ओर से जवाब देते हुए संबंधित मंत्री ने स्वीकार किया कि सदस्य द्वारा उठाया गया विषय बहुत ही संवेदनशील है। सरकार ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाएगी और तीन महीने के भीतर जांच रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया गया है। मंत्री ने सदन को आश्वस्त किया कि जांच में जो भी अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाए जाएंगे, उन पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सर्वांगीण विकास को गति देने वाला बजटः सुबोधकांत सहाय

मेट्रो रेज

रांची: पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने झारखंड सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इस बजट से झारखंड के सर्वांगीण विकास के सपने को सरकार किया जा सकेगा।

बजट में सभी वर्गों के लोगों का ध्यान रखा गया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और महिला स्वावलंबन को बढ़ावा देने पर केंद्रित यह बजट सराहनीय है। श्री सहाय ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजलापूर्ति, विद्युत आपूर्ति के साथ-साथ राज्य की आर्थिक समृद्धि और आधारभूत संरचनाओं को विकसित करने की दिशा में बजट में समुचित प्रावधान किया जाना स्वागत योग्य है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बेहतर वित्तीय प्रबंधन के परिणामस्वरूप प्रति व्यक्ति औसत आय में वृद्धि हुई है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने और खासकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर केंद्रीय यह बजट राज्य की आर्थिक समृद्धि बढ़ाने में काफी सहायक साबित होगा। उन्होंने कहा कि विगत वर्ष की तुलना में बजट में 9 प्रतिशत की वृद्धि राज्य सरकार की दूरदर्शिता का परिचायक है। श्री सहाय ने कहा कि बजट का स्वरूप और सुंदर होता यदि केंद्र सरकार के पास जो लंबित राशि है, उसका समय पर भुगतान किया जाता। झारखंड राज्य विगत लगभग एक दशक से केंद्र सरकार की उपेक्षा का शिकार हो रहा है। हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड सरकार अपनी दूरदर्शिता से राज्य को आर्थिक स्वावलंबन की ओर ले जाने की दिशा में अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर यह बजट सभी वर्ग के लोगों के लिए हितकर साबित होगा।

कार्यालय जिला परिषद, गुमला

बन्दोबस्ती हेतु अति अल्पकालीन आम सूचना(3rd Call)

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिये सिसई प्रखण्ड अन्तर्गत सैरात (सिसई बाजार टांड़ मेला) की बन्दोबस्ती हेतु दिनांक 20.02.2026 तक आवेदन आमंत्रित किया गया था, परन्तु आवश्यक संख्या में आवेदन प्राप्त नहीं होने के कारण सम्यक विचारोपरान्त मेला के न्युनतम डाकबोली के दर को संशोधित करते हुए पुनः दिनांक 26.02.2026 तक आवेदन आमंत्रित किया जाता है एवं दिनांक **27.02.2026** को अनुमण्डल पदाधिकारी, गुमला के कार्यालय परिसर पर अपराह्न **3:00** बजे डाक बोली लगायी जायेगी जिसका विवरण निम्न प्रकार है :–

क्रम	सैरात का नाम	न्यूनतम डाकबोली	जमानत की राशि	आवेदन प्रपत्र शुल्क
01	प्रखण्ड सिसई अन्तर्गत सैरात (सिसई बाजार टांड मेला)	17,52,000.00 (सत्रह लाख बावन हजार रू0 मात्र)	1,75,200.00 (एक लाख पचहत्तर हजार दो सौ रू0 मात्र)	1800.00 (अठारह सौ मात्र)

उक्त डाकबोली में भाग लेने हेतु नियम एवं शर्त्तें कार्यालय जिला परिषद, गुमला के सूचना पट्ट एवं गुमला जिले के वेबसाईट (gumla.nic.in) पर देखा जा सकता है।

सचिव,
जिला परिषद, गुमला

PR 373563 (District)25-26*D

लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण : रवीन्द्र नाथ महतो

आईएफडब्ल्यूजे के प्रदेश अध्यक्ष को पुस्तक भेंट कर किया सम्मानित

रांची: झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने बजट सत्र के दौरान पत्रकारिता जगत को सम्मानित करते हुए एक महत्वपूर्ण पहल की। उन्होंने आईएफडब्ल्यूजे के प्रदेश अध्यक्ष भारत भूषण प्रसाद (वरिष्ठ पत्रकार) को अपनी लिखी पुस्तक सम्मान स्वरूप भेंट की।

इस अवसर पर विधानसभा के प्रभारी सचिव रंजीत कुमार भी उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और निष्पक्ष पत्रकारिता ही जनतंत्र को मजबूत करती है। वहीं, भारत भूषण प्रसाद ने इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पत्रकार समुदाय के लिए गौरव का क्षण है। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार उदय चौहान, विनय कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

ईद की दुकान लगाने को लेकर दो गुटों में चाकूबाजी , तीन गंभीर

मेट्रो रेज

रांची: जिले के लोअर बाजार थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात चर्च रोड फातुल्लाह रोड में ईद का दुकान लगाने को लेकर दो गुटों में चाकूबाजी की वारदात हुई है।

यह वारदात दुकान लगाने को लेकर हुए, विवाद के दौरान एक गुट के लोगों ने तीन युवकों पर चाकू से हमला कर दिया गया, जिससे दो नाबालिग सहित तीन गंभीर रूप से घायल हो गया है। सभी का इलाज जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार की शाम फतुल्लाहरोड में ईद बाजार का दुकान लगाने का विवाद हुआ था। उसके बाद स्थानीय लोगों ने समझाकर मामला शांत कराया था। वहीं पुलिस की भी जनाकारी दी गई

थी। लेकिन पुलिस उस समय नहीं आई थी। मामला स्थानीय लोगों ने खत्म करा दिया था। लेकिन रात लगभग 11 बजे फिर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई।

चाकूबाजी होने लगी। जिसमें एक गुट के तीन युवकों को चाकू मारकर घायल कर दिया है।। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और हमलावर मौके से फरार हो गए।

इधर स्थानीय लोगों ने बताया कि शाम में हुए घटना के बाद अगर पुलिस मौके पर आती तो शायद देर रात चाकूबाजी की वारदात नहीं होती। पुलिस को सूचना देने के बाद भी पुलिस मौके पर नहीं पहुँची। नतीजा ये हुआ को दोबारा मामला बढ़ा और चाकूबाजी की वारदात को अंजाम दिया गया है।

कार्यालय, जिला अभियंता, लातेहार

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई0–संख्या– ZP/LATEHAR- 27/2025-26

कार्य का नामः–

क्र	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	प्रखण्ड मनिका पंचायत बडकाडीह में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण।	1,43,00,000	2,86,000	10,000	07 माह

1. बेवसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– 02.03.2026
2. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :–14.03.2026, 5.00 बजे अपराहन् तक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :–16.03.2026 अपराहन 11:00 बजे।
4. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार परिमाण विपत्र का 02 प्रतिशत राशि अग्रधन की राशि के रूप में जमा करना होगा।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार किया जाएगा।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जाएगा उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी।
7. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– जिला अभियंता, लातेहार।
8. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष संख्या– 93347–02381
9. प्राक्कलित राशि बढ़ या घट सकती है।
10. उक्त निविदा में जिला परिषद, लातेहार में निबंधित प्रथम श्रेणी एवं द्वितीय श्रेणी के संवेदक निविदा में भाग ले सकते है।
11. विस्तृत जानकारी के लिए बेवसाईट www.jharkhandtendres.gov.in पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
लातेहार।

PR.NO.373562 Rural Development(25-26):D

उपायुक्त ने किया ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

विनय मिश्रा

चाईबासाः निर्वाचन आयोग के तय गाइडलाइन के आलोक में पश्चिमी सिंहभूम जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त चंदन कुमार द्वारा उप निर्वाचन पदाधिकारी बंधन लॉन्ग की मौजूदगी में चाईबासा सदर अनुमंडल कार्यालय परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। मासिक निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा समस्त परिसर का अवलोकन के क्रम में सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, जेनरेटर रूम सहित अन्य व्यवस्थाओं तथा कमरों की सीलिंग आदि का जायजा लिया गया।

तुम्बागाड़ा के पास सड़क हादसा, बाल- बाल बचे भाजपा जिला अध्यक्ष अमित तिवारी

मेदिनी नगर : शादी समारोह में जा रही क्रेटा कार को एक बड़ी गाड़ी ने टक्कर मार दी। इस हादसे में भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी, आलोक वर्मा (भोलू) और शुभम गुप्ता समेत गाड़ी चला रहा चालक घायल हो गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तुरंत नवजीवन अस्पताल, तुम्बागाड़ा में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार ड्राइवर को मामूली चोट आई है। शुभम गुप्ता के सर में चोट लगी है। बाकी सभी की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है।

निकाय चुनाव खत्म होते ही चर्चाओं का बाजार हुआ गर्म

मेदिनीनगरः नगर निकाय चुनाव संपन्न होते ही शहर का माहौल पूरी तरह सियासी रंग में रंग गया है। चौक-चौराहों से लेकर चाय की दुकानों तक हार-जीत की चर्चाएं जोरों पर हैं। हर गली और मोहल्ले में लोग अपने-अपने अंदाज में चुनावी गणित बैठाने में जुटे हुए हैं। मतदान खत्म होते ही समर्थकों की सक्रियता और बढ़ गई है। हर प्रत्याशी के समर्थक अपने उम्मीदवार की जीत के पक्ष में तर्क दे रहे हैं। कोई मतदान प्रतिशत को अपने पक्ष में बता रहा है तो कोई बूथवार समीकरणों का हवाला देकर जीत का दावा कर रहा है।

Jharkhand Urja Utpadan Nigam Limited,
(CIN: U40108JH2013SGC001703)
Office of the Project Manager, SRHP Sikidiri,
AT & P.O. –SIKIDIRI (PIN Code: 835219) DISTRICT- RANCHI, Jharkhand
E-mail ID :- srhp.sikidri@gmail.com Mob. No. :- 9431707312 Mob. No. :- 9431707312

TENDER NOTICE

Sealed tenders in two parts i.e. Technical & Commercial (Part-I) and Price Part (Part-II) separately are invited from reputed, experienced, capable and financially sound firm/ agencies / contractors for the following works at SRHP Sikidiri, Ranchi, the details of which are as bellow:

Sl. No.	NIT No.	Description of work	Estimated cost (Rs.)	Earnest Money Deposit (Rs.)	Cost of Tender Document (Non Refundable) (Rs.)
1	56/PR/JUUNL/ 2025-26	Item rate for day-to-day work of civil maintenance in allotted quarters of residential colony at SRHP, Sikidiri for one (01) year.	9,96,700/- (Inclusive GST)	20,000 /-	1476/- (Inclusive GST 18%)
Last Date and Time for sale of BOQ			20.03.2026 Up to 04.00 PM		
Last Date for Submission of BID with tender fee and EMD in the office of the Project Manager, SRHP, Sikidiri, Ranchi			23.03.2026 Up to 01.00 PM		
Bid Opening date for techno-commercial (i.e. Part-I)			23.03.2026 Up to 03.00 PM		
BID Opening date for Price Part (i.e. Part-II)			Will be communicated later.		
Work Officer and address for communication			Project Manager, Sikidiri		

- Tender documents with detailed terms and conditions may be obtained from office of the Project Manager, SRHP, Sikidiri in working hours after depositing cost of BOQ on any working day.
- Cost of tender Document (cash/DD) and EMD shall be in shape of Demand Draft (DD) issued by any Nationalized / Scheduled Bank in favour of Account Officer, Subernarekha Hydel project, Sikidiri, Payable at **Ranchi**.
- Tender without Earnest Money shall not be considered.
- No postal transaction for the purchase/submission of tender documents shall be entertained.
- The tenders shall not be entertained after the deadline under any circumstances whatsoever.
- The undersigned reserves the right to issue, extend the date of publishing / submission / opening tender / distribute the works among the tenders or reject any / all tenders without assigning any reason thereof.
- For any clarification please contact phone no. **9431707312** during office hours.

स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचायें। कृपया अपनी शिकायतों को 18003456570 (कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
Project Manager

PR.NO.373561 Jharkhand Urja Utpadan Nigam Ltd(25-26):D

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने किया मतगणना केंद्र निरीक्षण

मेट्रो रेज संवाददाता

मेदिनी नगर : जिला निर्वाचन पदाधिकारी(नगरपालिका)2026 सह उपायुक्त समीरा एस,पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन,उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन ने बुधवार को गणेश लाल अग्रवाल कॉलेज स्थित मतगणना केंद्र का निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने नगर निकाय वार मतगणना केंद्र का अवलोकन किया।इस क्रम में उन्होंने संबंधित निवार्ची पदाधिकारी को 27 फरवरी को

बगैर पास के किसी को भी काउंटिंग सेंटर पर एंट्री नहीं देने की बात कही साथ ही सिर्फ उन्हीं वाहनों का एंट्री दिया जायेगा जिसके पास वैध पास हो।उन्होंने मतगणना कर्मियों के खाने-पीने की व्यवस्था पर विशेष बल दिया एवं मतगणना कार्य में लगे कर्मियों के खाने-पीने का आकलन 26 फरवरी की शाम तक कर लेने की बात कही।उन्होंने राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश का हर हाल में पालन करने के निर्देश दिये।उन्होंने भवन निर्माण के कार्यपालक अभियंता को मतगणना हॉल में समुचित लाइटिंग व पर्याप्त बैरेकेडिंग कराने की बात कही।उन्होंने कहा कि सभी टेबल पर सभी आवश्यक सामग्री मौजूद रहे,यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए।इस दौरान उन्होंने स्ट्रांग रूम का भी अवलोकन किया।इसी तरह एसपी रीष्मा रमेशन ने संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को सुरक्षा,यातायात,भीड़ प्रबंधन एवं विधि व्यवस्था समेत अन्य विषयों पर जरूरी निर्देश दिये।इस अवसर पर उपरोक्त के अलावे सदर एसडीएम सुलोचना मीणा,नगरपालिका उप निर्वाचन पदाधिकारी रतन सिंह,डीएसपी

समेत अन्य उपस्थित रहे।

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

फेस रिप्लेसमेंट की सुविधा उम्मीद की किरण

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) देश का अहम चिकित्सा संस्थान है, जिस पर देशवासियों को सबसे ज्यादा भरोसा है। कोई भी बीमारी हो, उसका इलाज एम्स में संभव माना जाता है। उपकरण, तकनीक, संसाधनों और कौशल में वह कहीं भी पीछे नहीं रहता। चिकित्सा की हर नवीनतम तकनीक को इस संस्थान ने पारंगतता के साथ अपनाया है। पिछले कुछ दशकों में ऐसी अनगिनत बीमारियों का इलाज यहां संभव हो पाया है, जिनके लिए दूसरे देशों पर निर्भरता थी। अब एम्स में जल्द ही चेहरा प्रत्यारोपण (फेस रिप्लेसमेंट) की सुविधा जुड़ने की उम्मीद जगी है। अमेरिका के हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के विशेषज्ञों ने दिल्ली एम्स में उनके विशेषज्ञों को इस चिकित्सा पद्धति की तकनीक का प्रशिक्षण दिया है। इन विशेषज्ञों ने यह भी कहा है कि एम्स में कौशल और अवसंरचना की स्थिति उच्चस्तरीय है और इस तकनीक को अपनाने के लिए सर्वथा योग्य है। हार्वर्ड के विशेषज्ञों के इस कथन के बाद अब एम्स में जल्द ही यह सुविधा शुरू होने की संभावनाएं नजर आने लगी हैं। फेस रिप्लेसमेंट सुविधा की अहमियत को इससे समझा जा सकता है कि यह अब तक केवल अमेरिका, फ्रांस, स्पेन और तुर्की में ही सुलभ है। भारत इस सुविधा से सुसज्जित दुनिया का पांचवां या छठा देश कहलाएगा। फेस रिप्लेसमेंट आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की अहम जरूरत है। इसका महत्व एसिड अटैक, किसी अग्नि दुर्घटना या ऐसे ही किसी बड़े हादसे में चेहरा लगभग गंवा देने वाले वे लोग अच्छी तरह जानते हैं, जिन्हें पंद्रह-बीस सर्जरी के बावजूद आराम महसूस नहीं होता या वे अपने चेहरे को मूल स्वरूप में नहीं पाने की वजह से अवसाद से ग्रसित हो जाते हैं। फेस रिप्लेसमेंट उनके लिए कारगर चिकित्सा पद्धति है, जो क्षत-विक्षत चेहरे की दर्द वाली सर्जरी से मुक्ति दिलाने के साथ उन्हें किसी और का ही सही पर सामान्य चेहरा सुलभ करवा सकती है। ऐसे लोगों की संख्या का अंदाजा इससे लगा सकते हैं कि एम्स में हर साल आठ हजार से ज्यादा लोग इस तरह की सर्जरी के लिए आते हैं। देशभर में चेहरे की सर्जरी के असल जरूरतमंदों की संख्या इससे कई गुना अधिक है। इनमें गिने चुने लोग ही फेस रिप्लेसमेंट सर्जरी, जो कि स्वाभाविक तौर पर बहुत खर्चीली है, के लिए अमरीका-फ्रांस जा पाते हैं। बाकी लोग वित्तीय सीमाओं व अन्य मजबूरियों के चलते बाहर जाकर इलाज करवाने के बारे में सोच भी नहीं पाते। वे जिंदगी को दर्द, पीड़ा और ग्लानि के भाव से जीने के लिए अभिशप्त होते हैं।

ऐसे में एम्स में फेस रिप्लेसमेंट की सुविधा शुरू होना उनके लिए वरदान होगा। कालांतर में देशभर के अस्पतालों में इस सुविधा का प्रसार होगा और वह समय दूर नहीं जब अंग प्रत्यारोपण की तरह फेस रिप्लेसमेंट भी देश में आम होगा। लोगों की तकलीफ दूर करने के साथ यह देश के मेडिकल टूरिज्म को भी बढ़ावा देने में सहायक होगा।

विवाह पंजीयन प्रक्रिया के संशोधन में बुनियादी कमी

भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जिसमें केंद्र और राज्यों के अपने-अपने अधिकार व सीमाएं होती हैं। सभी को इस संघीय ढांचे के अनुरूप अपनी कार्यप्रणाली का संचालन करना होता है। इसमें एक-दूसरे के प्रति आदर व सम्मान के साथ सामंजस्य का भाव भी बनाए रखना होता है। किसी को भी कोई ऐसा निर्णय नहीं लेना चाहिए, जो दूसरे की सीमाओं का अतिक्रमण कर विवाद और टकराव की स्थिति निर्मित करने का कारण बन जाए। इसका जिक्र करने की जरूरत इसलिए पड़ रही है कि हाल ही में गुजरात सरकार ने विवाह पंजीयन प्रक्रिया में संशोधन का वह विषय हाथ में लिया है, जो है तो हर राज्य का अलग-अलग, लेकिन इसका संचालन केंद्र की भावना के अनुरूप होता है। इस मामले में तो आपत्तिजनक यह भी है कि प्रस्तावित संशोधन सुप्रीम कोर्ट तक की गाइडलाइन को दरकिनार करने वाला है। उदाहरण के तौर पर इस संशोधन का प्रमुख बिंदु यह है कि गुजरात में अब से जोड़ों को विवाह पंजीयन के लिए माता-पिता को सूचित करना जरूरी होगा। देश में जब दो बालिग व्यक्तियों को विवाह के लिए किसी की अनुमति लेने या सूचित करने की जरूरत नहीं है, तो उस विवाह के पंजीयन के लिए उन पर अभिभावकों को सूचित करने की बाध्यता कैसे लागू की जा सकती है? यह बालिगों के सहमति से जिंदगी बसर करने के संवैधानिक अधिकारों का हनन और उन्हें अनावश्यक औपचारिकताओं व जटिलताओं में उलझाने वाला कदम होगा। देश में वैवाहिक पंजीयन की मौजूदा प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट की ही गाइडलाइन से संचालित व निर्धारित है। सुप्रीम कोर्ट की वर्ष 2006 की गाइडलाइन साफ कहती है कि विवाह पंजीयन के लिए केवल दो गवाहों की मौजूदगी पर्याप्त है। कोई भी सरकार इससे अलग कैसे जा सकती है? इस परिदृश्य में यह सवाल बनता है कि गुजरात सरकार यह नियम लाना क्यों चाहती है? वह उस रास्ते पर क्यों जाना चाह रही है, जहां आगे जाकर टकराव होगा ही? सरकार की ओर से इस बारे में कारण गिनाए गए हैं कि बड़ी संख्या में लोगों ने विवाह पंजीकरण की प्रक्रियात्मक खामियों के दुरुपयोग की शिकायतें करते हुए इन्हें रोकने का आग्रह किया था। यह कारण चिंताजनक जरूर है और दूर होना भी चाहिए, लेकिन बालिगों के संवैधानिक अधिकार को दरकिनार कर यह समाधान निकालना गलत है। यह बुनियादी कमी कही जाएगी। लोकतांत्रिक देश में सिर्फ मंशा अच्छी होना पर्याप्त नहीं है। मंशा का क्रियान्वयन सबके सर्वाधिकारों और सम्मान का पालन करते हुए होना भी जरूरी है। ऐसा करना असंभव नहीं है। गुजरात सरकार को इस बारे में गंभीरतापूर्वक सोचना चाहिए और विवाह पंजीयन प्रक्रिया के संशोधन की बुनियादी कमी को दूर करना चाहिए। अन्य राज्यों से भी बात की जा सकती है कि वे क्या और कैसे कर रहे हैं।

केसीसी के नए प्रावधान सुधारेंगे किसानों की आर्थिक स्थिति

'नई नियमावली कॉर्मशियल बैंक, स्माल फाइनेंस बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और ग्रामीण को-ऑपरेटिव बैंक जैसे संस्थानों पर लागू होगी। इसमें फसल को उसकी उम्र के आधार पर वगीर्कृत किया गया है- छोटी अवधि की फसल के लिए 12 महीने और लंबी अवधि की फसल के लिए 18 महीने का केसीसी ऋण मिलेगा।'

सतीश सिंह

आरवी गुप्ता समिति की सिफारिशों के आधार पर 1998 में शुरू किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों को आसान ऋण मुहैया कराना था, जिसमें बीज, उर्वरक और अन्य कृषि आवश्यकताओं को शामिल किया गया था। 2004 में इसे कृषि से जुड़ी अन्य गतिविधियों से जोड़ दिया गया। 2019 में इसमें संशोधन कर डेयरी, पशुपालन और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों को भी शामिल किया गया, जिससे किसानों की गैर-फसल आय में वृद्धि हुई। 2020 में इसमें कुछ और सुधार किया गया, जिससे किसानों की आय में बेहतरी आई। अब इस योजना में कुछ बदलाव किए जा रहे हैं और इस क्रम में ऋण चुकाने की अवधि को 6 साल तक बढ़ाने का प्रस्ताव है।

वर्तमान में यह 12 महीनों में चुकाया जाता है, जो फसल की कटाई और विपणन पर निर्भर करता है। पुनर्भुगतान की अवधि को बढ़ाने से किसानों को बार-बार नया कार्ड बनवाने या बैंक के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इससे किसान लंबे समय तक एक ही कार्ड का उपयोग कर सकते हैं। साथ ही, ऋण सीमा फसल चक्र के अनुसार तय की जाएगी, जिससे किसानों को आवश्यकतानुसार सही समय पर और उचित मात्रा में वित्तीय सहायता मिलेगी।

भारतीय रिजर्व बैंक ने केसीसी योजना को और अधिक लचीला, व्यापक, उपयोगी और किसानों के हित में बनाने के लिए संशोधित दिशानिर्देश जारी किए हैं। इस प्रयास को मूर्त रूप देने के लिए 6 मार्च तक जनता से सुझाव मांगे गए हैं ताकि योजना को मजबूत किया जा सके और किसानों के लिए अधिक लाभप्रद बनाया जाए।

नई नियमावली कॉर्मशियल बैंक, स्माल फाइनेंस बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और ग्रामीण को-ऑपरेटिव बैंक जैसे संस्थानों पर लागू होगी। इसमें फसल को उसकी उम्र के आधार पर वगीर्कृत किया गया है- छोटी अवधि की फसल के लिए 12 महीने और लंबी अवधि की फसल के लिए 18 महीने का केसीसी ऋण मिलेगा।

पहले फसल सीजन का समय बैंक के अनुसार अलग-अलग था और ऋण की अवधि भी कम थी। साथ ही, पहले तकनीक से संबंधित खर्च को ऋण में शामिल नहीं किया जाता था, लेकिन नए नियमों के तहत इन्हें भी ऋण की पात्रता में शामिल किया जाएगा। नए बदलावों से लंबी अवधि के ऋण का दबाव कम होगा और जरूरत के हिसाब से क्रेडिट सीमाओं का इस्तेमाल कर किसान पैसे की कमी से बच सकते हैं। तकनीक के बढ़ते प्रयोग से किसान अपनी आय के नए स्रोत भी बना सकते हैं। अब केवल फसल उत्पादन ही नहीं, बल्कि पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन के लिए भी कार्यशील पूंजी प्रदान की जा रही है, जिससे किसानों की आय के स्रोत बढ़े हैं।

केसीसी के जरिए आसान ऋण से किसान आधुनिक कृषि उपकरण, सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई और उन्नत बीज खरीद रहे हैं, जिससे उत्पादन और आय दोनों में वृद्धि हुई है। अब 1.6 लाख रुपए तक का ऋण बिना प्राप्त किया जा सकता है, जिसमें 50,000 रुपए का बीमा भी शामिल है। इससे ऋण लेना आसान हो गया है और किसानों को सामाजिक सुरक्षा मिल रही है। यह योजना सिर्फ जमीन के मालिक किसानों के लिए ही नहीं, बल्कि छोटे और सीमांत किसानों, बटाई पर खेती करने वालों, किराए पर खेती करने वालों, किसान समूहों और स्वयं सहायता समूहों जैसे कई अन्य किसानों के लिए भी फायदेमंद है।

केसीसी का उद्देश्य है किसानों को समय पर पर्याप्त ऋण उपलब्ध कराना ताकि उनकी कृषि और संबंधित गतिविधियां निरंतर प्रगति कर सकें। इससे वे साहूकारों के जाल से बच सकते हैं, सस्ती दर पर वित्तपोषण से उनकी आय में वृद्धि होती है और बैंकिंग प्रणाली से जुड़ने से वे सीधे सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। एटीएम या रुपए कार्ड के जरिए वे ऑनलाइन बाजार से दुनिया के किसी भी कोने से आवश्यक वस्तुएं सस्ते दामों में मंगवा सकते हैं और दैनिक जीवन के जोखिमों को कम कर सकते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की चुनौतियां

'भारत की आईटी इंडस्ट्री दशकों से देश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ रही है, लेकिन अब एक नए और खतरनाक दौर से गुजर रही है। खतरा कोई और नहीं, बल्कि आईटी कंपनियों द्वारा बनाया गया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ही है। जहां पहले सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, टेस्टिंग और सर्विसेज जैसी सेवाओं पर निर्भर कंपनियां चमक रही थीं, उनके बुरे दिन शुरू हो चुके हैं। बुरे दिन इसलिए क्योंकि अब उन तमाम कार्यों को एआई ऑटोमेटेड करके सीधा उनके बिजनेस मॉडल को ही चुनौती दे रहा है। भारत के लिए यह स्थिति इसलिए भी चिंता का विषय है, क्योंकि देश को दुनिया का आउटसोर्सिंग हब माना जाता है। भारतीय अर्थव्यवस्था में आईटी सेक्टर, बीपीओ, कॉल सेंटर्स और बैक-ऑफिस सेवाओं में लाखों लोगों को रोजगार मिलता है ।'

डा. वरिंदर भाटिया

देश की राजधानी नई दिल्ली में ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सम्मेलन गरमागरम चर्चा में है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वह प्रौद्योगिकी है जो कंप्यूटर सिस्टम को ऐसे कार्य करने में सक्षम बनाती है जिनके लिए सामान्य रूप से मानव बुद्धि की आवश्यकता होती है, जैसे सीखना, तर्क करना, समस्या समाधान और निर्णय लेना। आज स्वास्थ्य, वित्त, कृषि से लेकर शासन तक हर क्षेत्र में एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। जहां एक ओर यह तकनीक मानव जीवन को बेहतर बनाने की अपार क्षमता रखती है, वहीं दूसरी ओर यह कई गंभीर नैतिक, सामाजिक और कानूनी सवाल भी खड़े करती है जिन पर विचार करना अनिवार्य है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने दुनियाभर में एक क्रांति लाने का काम किया है। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के अलावा हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मजबूती के साथ दाखिल हो चुका है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से किसी भी काम या प्रोसेस को बहुत आसानी से और बेहतर तरीके से किया जा सकता है। अगर हम शिक्षा क्षेत्र का ही उदाहरण लें तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से कोई भी छात्र किसी भी विषय को आसानी और आधुनिक तरीके से सीख सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से कंप्यूटर ऐसे काम करने में सक्षम है जिस काम को करने के लिए अमूमन मानवीय बुद्धिमत्ता की आवश्यकता होती है। लेकिन जिस तरह किसी टेक्नोलॉजी के फायदे होते हैं तो वहीं उसके नकारात्मक इस्तेमाल को भी नहीं नकारा जा सकता है। ठीक उसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अगर क्रांति लेकर आया है तो उसके दुष्प्रभाव से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से सीखने की जरूरतों और अलग-अलग क्षमताओं वाले छात्रों के लिए पढ़ाई को और आसान बनाया जा सकता है। एक डेटा को अलग-अलग तरीके से और छात्रों के अनुरूप उसे प्रस्तुत करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद ली जा सकती है। साथ ही विकलांग, सीखने में अंतर या भाषा की बाधाओं जैसी दिक्कतों को भी इसकी मदद से दूर किया जा सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग पेपर ग्रेडिंग और पाठ योजनाएं बनाने जैसे कार्यों में भी किया जा सकता है, जिससे शिक्षकों का समय अधिक महत्वपूर्ण कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने में लगेगा। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद किसी एक जानकारी से और अधिक जानकारी निकालने में भी ली जा सकती है। एआई की मदद से नई जानकारियों को आसानी से बनाया जा सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह छात्रों की मानसिक क्षमता और सीखने में बाधा उत्पन्न कर सकती है। छात्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से अपने सवालों के जवाब आसानी से ढूंढ सकते हैं। जिससे वो खुद से किसी सवाल के जवाब ढूंढने में पीछे रह सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में एआई का उपयोग जवाबदेही, पारदर्शिता और निष्पक्षता से संबंधित कई और चुनौतियों को जन्म देता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कई और नुकसान भी हो सकते हैं, जैसे कि एआई चैटबॉट काफी कम समय में आपको किसी टॉपिक के बारे में लंबी-चौड़ी डिटेल बता देते हैं। इनसानों के मुकाबले इस काम में एआई की स्पीड बहुत तेज होती है। एआई का यह फीचर दुनियाभर में चल रही फेक न्यूज, गलत जानकारी जैसे मामलों में खतरनाक हो सकता है। हैकर्स इसका फायदा उठाकर गलत जानकारी फैला सकते हैं। इसका सबसे ज्यादा बुरा असर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर पड़ेगा। इसके अलावा कुछ एआई प्लेटफॉर्म फोटो और वीडियो भी जनरेट कर सकते हैं। फेक न्यूज फैलाने के लिए इनका काफी शातिर तरीके से इस्तेमाल हो सकता है। एआई की वजह से जो अगली समस्या आएगी, वो है बेरोजगारी। कई कंपनियों में स्मार्ट वर्क के लिए एआई का इस्तेमाल शुरू हो चुका है। इसके नतीजतन कंपनियां बड़े पैमाने पर छंटनियां कर सकती हैं। फिलहाल डेटा एंट्री, बुक-कीपर, ट्रांसलेटर, कस्टमर केयर, कॉपी राइटिंग और सोशल मीडिया मैनेजर्स की नौकरियों पर सबसे ज्यादा खतरा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एआई लगभग 300 मिलियन लोगों की नौकरी हड़प सकता है। साल 2020 की रिपोर्ट में साइबर सिक्योरिटी के लिए एआई से मदद लेने की बात कही गई थी। इसमें कहा गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इनसानों के मुकाबले तेजी से बड़े खतरों का पता लगा सकता है।

इस हिसाब से एआई इनसानों की सिक्योरिटी के बारे में खुद समझेगा और इसे कंट्रोल करने के तरीके भी खुद ही ढूंढेगा। एआई पर इस कदर निर्भर होना भी मुश्किलें ला सकता है। कुछ दिनों पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बग के कारण चैटजीपीटी की सर्च हिस्ट्री लीक हो गई थी। इस तरह का खतरा आगे भी बना रहेगा। कंपनियों के पास यूजर्स का ढेर सारा डेटा होता है। ऐसे में एआई यूजर्स के पैटर्न को कॉपी करने और विज्ञापनों के लिए डेटा का गलत इस्तेमाल करके उनका नकली प्रोफाइल भी बना सकता है। आज के समय में मिलिट्री में इस्तेमाल होने वाली कई मशीनें जैसे मिसाइलों, ड्रोन को एआई से कंट्रोल किया जाता है। फिलहाल एआई को दी जाने वाली कमांड फिक्स हैं, लेकिन आने वाले समय में इसकी क्षमताएं बढ़ेंगी। नई टेक्नोलॉजी के साथ अगले कुछ सालों में इनसानों की कमांड के बिना ही एआई फैसले ले सकेगा। इससे दिक्कतें बढ़ सकती हैं। भारत की आईटी इंडस्ट्री दशकों से देश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ रही है, लेकिन अब एक नए और खतरनाक दौर से गुजर रही है। खतरा कोई और नहीं, बल्कि आईटी कंपनियों द्वारा बनाया गया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ही है। जहां पहले सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, टेस्टिंग और सर्विसेज जैसी सेवाओं पर निर्भर कंपनियां चमक रही थीं, उनके बुरे दिन शुरू हो चुके हैं।

समस्त समस्याओं का निदान

श्रीराम शर्मा

चिंतन-मनन

वर्तमान की समस्त समस्याओं का एक सहज सरल निदान है, अध्यात्मवाद। यदि शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, आर्थिक जैसे सभी क्षेत्रों में अध्यात्मवाद का समावेश कर लिया जाए, तो समस्त समस्याओं का समाधान साथ-साथ होता चले और आत्मिक प्रगति के लिए अवसर एवं अवकाश भी मिलता रहे। विषयों में सर्वथा भौतिक दृष्टिकोण रखने से ही सारी समस्याओं का सूत्रपात होता है। दृष्टिकोण में वांछित परिवर्तन लाते ही सब काम बनने लगेंगे। अध्यात्मवाद का व्यावहारिक स्वरूप है, संतुलन, व्यवस्था एवं औचित्य। शारीरिक समस्या तब पैदा होती है, जब शरीर को भोग साधन समझ कर बरता जाता है। आहार-विहार और रहन-सहन को विचार परक बना लिया जाता है। इसी अनौचित्य एवं अनियमितता से रोग उत्पन्न होने लगते हैं और स्वास्थ्य समाप्त हो जाता है। विभिन्न शारीरिक समस्याओं का आसानी से हल निकल सकता है, यदि इस संदर्भ में दृष्टिकोण को आध्यात्मिक बना लिया जाए। पवित्रता अध्यात्मवाद का पहला लक्षण है। यदि शरीर को पूरी तरह पवित्र और स्वच्छ रखा जाए, आत्म संयम और नियमितता द्वारा शरीर धर्म का पालन करते रहा जाए, तो शरीर पूरी तरह स्वस्थ बना रहेगा तथा शारीरिक संकट की संभावना ही न रहेगी। वह सदा स्वस्थ और समर्थ बना रहेगा। शारीरिक स्वास्थ्य की अवनति या बीमारियों की चढ़ाई अपने आप नहीं होती, वरन् उसका कारण भी अपनी भूल है। आहार में असावधानी, प्राकृतिक नियमों की उपेक्षा, शक्तियों का अधिक खर्च, स्वास्थ्य में गिरावट के प्रधान कारण होते हैं। जो लोग अपने स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देते हैं, उसके नियमों का ठीक-ठीक पालन करते हैं, वे सुदृढ़ एवं निरोग बने रहते हैं। मनुष्य का मन शरीर से भी अधिक शक्तिशाली साधन है। इसके निर्द्वंद्व रहने पर मनुष्य आश्चर्यजनक उन्नति कर सकता है, किंतु यह खेद का विषय है कि आज लोगों की मनोभूमि बुरी तरह विकारग्रस्त बनी हुई है। चिंता, भय, निराशा, क्षोभ, लोभ एवं आवेगों का भूकंप उसे अस्त-व्यस्त बनाए रखता है। यदि इस प्रचंड मानसिक पवित्रता, उदार भावनाओं और मनःशांति का महत्त्व समझ लिया जाए और निःस्वार्थ, निर्लोभ एवं निर्विकारिता द्वारा उसको सुरक्षित रखने का प्रयत्न कर लिया जाए, तो मानसिक विकास के क्षेत्र में बहुत दूर तक आगे बढ़ा जा सकता है।

आपके पत्र

आखिर क्यों नहीं रुक रहे हवाई हादसे

हाल ही में रांची से दिल्ली एयर एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुखद समाचार ने हमें एक बार फिर से सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर क्यों नहीं रुक रहे एयरप्लेन हादसे। इस दुखद हादसे से यह तो साफ जाहिर है कि इनसान विज्ञान के क्षेत्र में अपने आपको बेशक तीस मार खां समझता हो, लेकिन विज्ञान के क्षेत्र में इनसान अभी भी अधूरा नजर आता है। अगर ऐसा नहीं होता तो इस अभागे विमान की तकनीकी खराबी का पहले पता लगाया जा सकता था या फिर इस विमान में अचानक खराबी कैसे आ गई? विमान बनाने वाली कंपनियां ऐसी तकनीक क्यों तैयार नहीं कर पाई हैं कि अगर कोई तकनीकी खराबी आती है तो मानव जिंदगियों को बचाया जा सके।

मनीष जैन, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

तेज रफ्तार स्कार्पियो ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मारा युवक घायल

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के मदन साही रोड स्थित पेट्रोल पंप के समीप एक तेज रफ्तार स्कार्पियो ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे बाइक पर सवार तालझारी थाना क्षेत्र के मदनशाही निवासी शारजहां अंसारी 28 वर्ष सलीम अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां डांक्टर ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। इधर सूचना पर जिरवाबाड़ी पुलिस सदर अस्पताल पहुंचकर मामले की छानबीन मैं जुट गई।स्वजनों के द्वारा बताया गया कि घायल शारजहां बाइक से कुछ काम के लिए मदनशाही की ओर जा रहा था साथ में बगल का ही रहने वाला सलीम भी जा रहा था इसी दौरान व्यक्ति विपरीत दिशा से एक तेज रफ्तार स्कार्पियो ने टक्कर मार दिया टक्कर के कारण दोनों दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए स्थानीय लोगों ने तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया। इधर डॉक्टर ने बताया कि शारजहां अंसारी को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है जबकि सलीम सदर अस्पताल में इलाजरत है।

सशस्त्र बलों की तैनाती के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी

साहिबगंज : नगर निकाय चुनाव की मतगणना को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह सुदृढ़ कर दी है। मतगणना से पूर्व बैलट पेपर बॉक्स एवं अन्य आवश्यक चुनावी सामग्रियों को सुरक्षित रखने के लिए बनाए गए स्ट्रांग रूम की निगरानी कड़ी कर दी गई है।सुरक्षा के मद्देनजर जैप जवानों की एक विशेष यूनिट 75 से 80 जवान की तैनाती की गई है।जो 24 घंटे पहरेदारी कर रही है। मुख्य द्वार पर सशस्त्र बलों की तैनाती के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी की जा रही है। प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पहचान पत्र के आधार पर जांच की जा रही है। अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि मतगणना प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। वरीय पदाधिकारी समय-समय पर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण कर रहे हैं और आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं।

काम करने के दौरान अचानक छत टूटकर मेरे शरीर में गिरा

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के चौक बजार स्थित एक पुराने मकान में रिपेयरिंग का काम चल रहा था।इसी दौरान छत का छज्जा टूट गया और युवक के शरीर में गिर गया सहयोगियों ने तुरंत मालवा को हटाया और यूवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया। घायल युवक जिरवाबारी थाना क्षेत्र के शांति नगर का रहने वाला वकील कुमार 19 वर्ष हैं।

घायल युवक वकील कुमार ने बताया गया कि मैं मजदूरी हुं और साहिबगंज में मजदूरी का काम करता हूं । बिछे दिन चौक बाजार स्थित एक पुराने मकान रिपेयरिंग व तोड़ने का काम चल रहा था। काम करने के दौरान अचानक छत टूटकर मेरे शरीर में गिरा। सहयोगियों ने तुरंत मालवा हटाकर मुझे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती। इधर डॉक्टर ने घायल युवक की तुरंत प्राथमिक उपचार शुरू किया । वहीं चिकित्सक ने बताया कि युवक को गंभीर चोट लगी है एक पैर टूट गया है।

एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के लोहंडा मुख्य रोड में एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय व स्वजनों की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया। घायल वृद्ध की पहचान लोहंडा निवासी साइबू हेंब्रम के रूप में हुई हैं।स्वजनों ने साइबू हेंब्रम सड़क किनारे से जा रहे थे ।दौरान एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी उसके पुत्र को दिया । पुत्र घटना स्थल पर पहुंचकर स्थानीय लोगों के सहयोग से तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया।

साहिबगंज उपायुक्त से क्षतिग्रस्त पुल का निर्माण कार्य कराने की मांग की

साहिबगंज : युवा कांग्रेस राजमहल विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद कौसर आलम ने उपायुक्त साहिबगंज को पत्र लिख कहा कि सदर प्रखंड अंतर्गत लालबधानी गांव को साहिबगंज से जोड़ने वाले एकमात्र सड़क जो बलुआ दियारा और किसन प्रसाद के बीच बने मरगंग पुल लगभग पांच वर्षों से क्षतिग्रस्त है।श्री आलम ने कहा कि 5 वर्ष बीत जाने के बाद भी अभी तक जिला प्रशासन की ओर से ना ही किसी जनप्रतिनिधि ने अभी तक क्षतिग्रस्त पुल का कोई निदान नहीं निकाला है।वही पुल पर बड़ा हादसा हो सकता है क्योंकि इस पुल से मालवाहक गाड़ी पांच साल से बंद है।वही इस क्षतिग्रस्त पुल के पूरब साइड से डायवर्सन का निर्माण कर बड़ी गाड़ी को पार किया जाता है।वही बरसात के मौसम में लगभग तीन से चार महीना मालवाहक गाड़ी का रास्ता बंद हो जाता है,आसपास गांव वाले को आने-जाने में बहुत ही कठिनाई का सामना करना पड़ता है,वही युवा कांग्रेस के राजमहल विधानसभा अध्यक्ष मो कौसर आलम ने साहिबगंज उपायुक्त से क्षतिग्रस्त पुल का निर्माण कार्य कराने की मांग की है।

अपहृत नाबालिग दो लड़कियों को पुलिस ने किया बरामद आरोपी किशोर निरुद्ध

साहिबगंज/राजमहल : थाना क्षेत्र से अपहृत दो नाबालिग लड़कियों को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बरामद कर लिया है। घटना को लेकर थाना क्षेत्र निवासी एक मां ने अपनी दो नाबालिग पुत्रियों के अपहरण का आरोप लगाई थी। मामले को लेकर महिला की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। महिला के अनुसार बीते 20 फरवरी की रात्री घर के सभी लोग खाना खाकर सो गये थें। अहले सुबह 3:00 बजे नींद खुलने पर देखी कि 15 वर्षीय और 13 वर्षीय मेरी दोनों नाबालिग पुत्रियां घर से नदारत थीं। काफी खोज-बीन करने पर भी दोनों का कोई सुराग नहीं मिला, हालांकि बाद में पता चला कि राजमहल थाना क्षेत्र का ही एक किशोर ने दोनों नाबालिग पुत्रियों का अपहरण किया है। नाबालिग का मामला होने के कारण पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया।

जनहित में बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करें : सिविल सर्जन

संवाददाता

साहिबगंज : सर्वप्रथम सीएचसी बोरियो का औचक निरीक्षण किया गया।संस्थान में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया गया।उपस्थित चिकित्सा पदाधिकारी एवं पारा मेडिकल कर्मियों से स्वास्थ्य सेवाओं के प्रत्येक पहलू की जानकारी प्राप्त की गई।मरीजों को दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता, स्वच्छता व्यवस्था, दवा उपलब्धता एवं रजिस्टर संधारण की समीक्षा की गई।जनहित में बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने हेतु सतत प्रयास किया जाए।सभी कर्मी ईमानदारी, सकारात्मक व्यवहार एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।सरकार द्वारा प्रदत्त योजनाओं व सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए।यह सुनिश्चित किया जाए कि स्वास्थ्य सेवाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।पीएम-एबीएच आईएम अंतर्गत निमार्णाधीन बीपीएचयु का निरीक्षणपीएम- एसबीएचआईएम मद से निमार्णाधीन बीपीएएचयुका स्थल निरीक्षण किया गया।निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई एवं कार्य को नियमानुसार

एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।कार्य की सतत मॉनिटरिंग हेतु एम ओआईसी, बोरियो को निर्देशित किया गया।एएएम रंगमतिया एक्सटर्नल असेसमेंट स्थल का निरीक्षण इसके उपरांत एएएम रंगमतिया का निरीक्षण किया गया।जहां एनक्युएएसका एक्सटर्नल असेसमेंट किया जा रहा था। एनक्युएएस सर्टिफिकेशन हेतु किए जा रहे मूल्यांकन की प्रक्रिया का अवलोकन किया गया।

सभी निर्धारित मानकों एवं व्यवस्थाओं का आंकलन किया गया।सेवा गुणवत्ता, मरीज संतुष्टि, रिकॉर्ड संधारण, स्वच्छता एवं संक्रमण नियंत्रण उपायों की समीक्षा की गई।टीम को सभी मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मंडरो का निरीक्षण इसके पश्चात पीएचसी मंडरो का निरीक्षण किया गया।

उपस्थित चिकित्सा पदाधिकारी एवं पारा मेडिकल कर्मियों से संस्थान में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली गई। ओपीडी,आईपीडी सेवाएं, दवा उपलब्धता, टीकाकरण, लैब सेवाएं एवं अन्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। पीएम -एबीईएच आईएम योजना अंतर्गत तैयार बीपीएचयु भवन का निरीक्षण किया, जो हैंडओवर हो चुका है।बीपीएचयु का शीघ्र संचालन प्रारंभ कर जनहित में समुचित स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। एएएम तेतरिया का निरीक्षणइसके उपरांत एएएम तेतरिया का निरीक्षण किया गया।संस्थान में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन किया गया।साफ-सफाई व्यवस्था, दवा उपलब्धता, रिकॉर्ड संधारण एवं मरीज सुविधा का निरीक्षण किया गया।इस संदर्भ में स्वास्थ्य केंद्र में स्वच्छता एवं अनुशासन बनाए रखा जाए।सभी सेवाएं जनहित में पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ प्रदान की जाएं।मरीजों के साथ सकारात्मक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए।उपलब्ध सभी सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए।

जनता की समस्याओं का समाधान को लेकर डीडीसी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

संवाददाता

देवघर : जिले के उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा की अध्यक्षता में मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। साथ ही मौके पर जिलास्तर के अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे, ताकि ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान संबंधित विभाग द्वारा किया जा सके। इसके अतिरिक्त जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में राजस्व से संबंधित, जमीन राशिद, अबुवा आवास, खनन लीज से संबंधित समस्या झारखण्ड मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना उप विकास आयुक्त के समक्ष रखा। साथ ही उप विकास आयुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए

जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उप विकास आयुक्त श्री सिन्हा ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन की निगरानी की जा सके।

गायत्री महामंत्र से आत्म शक्ति का विस्तार होता है : अनिल

संवाददाता

साहिबगंज : महामंत्र जितने जग माही कोऊ गायत्री सम नाही अर्थात हमारे वेद पुराणों में वर्णन है कि गायत्री महामंत्र सर्वशक्तिमान है जिसके जपने से हमारे अंदर आत्म शक्ति का विस्तार होता है। इसलिए सभी जाति धर्म संप्रदाय के लोगों को गायत्री महामंत्र जपना चाहिए। शहर के चौधरी कॉलोनी स्थित गायत्री शक्तिपीठ में आयोजित विदाई समारोह को संबोधित करते हुए नव पदस्थापित उप जोन समन्वयक इंजीनियर अनिल कुमार ने ये बातें कही।बताया गया कि शांतिकुंज हरिद्वार के द्वारा साहिबगंज उप जोन में पद स्थापित समन्वयक श्याम नंदन सिंह का स्थानांतरण बोकारो कर दिया गया है तथा उनके स्थान पर इंजीनियर अनिल कुमार को पदस्थापित किया गया है।विदाई समारोह की शुरूआत समन्वयक श्याम नंदन

सिंह, अनिल कुमार, कमलकांत मंडल और वीरेंद्र कुमार चौधरी ने सामूहिक दीप प्रज्वलित कर किया। निवर्तमान समन्वयक श्याम नंदन सिंह को गायत्री मंत्र दुपट्टा पहनाकर तथा अंग वस्त्र सौंप कर उन्हें सम्मानित किया गया।सभी उपस्थित परिजनों ने उन्हें तिलक लगाकर तथा पुष्पांजलि देकर उनके मंगलमय तथा उज्जवल भविष्य की शुभकामना की।निवेदन किया गया की साहिबगंज और पाकुड़ जिला में अपना आशीर्वाद अगले दिनों की बनाए रखेंगे।मौके पर की समन्वयक श्याम नंदन सिंह ने शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी।मौके पर बोरियो से महादेव ठाकुर,,राजमहल से सुबल कुमार शाह,बरहरवा से संजय भगत, मिजाचौकी से इना देवी,राज किशोर राय, वीरेंद्र कुमार चौधरी, हरिहर प्रसाद मंडल,सत्यदेव प्रसाद सिंह, शिवशंकर निराला, सरिता पोद्दार, निभा देवी, मधु कुमारी, प्रियंका सोनी, अनीता देवी, रेखा देवी, संगीता कुमारी आदि मौजूद थे।

सर्पदंश से बालक अचेत

साहिबगंज/राजमहलः प्रखंड अंतर्गत कन्हैया स्थान में मंगलवार को एक बालक को सांप ने डस लिया। इलाज के लिए उसे अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां मिली जानकारी के अनुसार कन्हैया स्थान निवासी आनंद मंगल के पुत्र शिव कुमार 13 को घर के नजदीक मछली पकड़ने के लिए गया हुआ था। इसी दौरान एक सांप ने उसके डस लिया। लोगों ने परिजनों को सूचना दी। इधर अस्पताल लाने के बाद चिकित्सक ने प्राथमिक इलाज के क्रम में उसे एंटी वेनम का डोज दिया और बालक को अगले 24 घंटे तक चिकित्सीय निगरानी में रखने की सलाह दी। बालक की स्थिति स्थिर बनी हुई थी।

बज्रगृह परिसर अनावश्यक व्यक्तियों का प्रवेश बंद है : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

संवाददाता

दुमका : नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के मद्देनजर जिले के उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी अभिजीत सिन्हा ने मंगलवार को दुमका इंजीनियरिंग कॉलेज स्थित बज्रगृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं सुरक्षा कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उपायुक्त श्री सिन्हा ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बज्रगृह परिसर में किसी भी अनावश्यक व्यक्ति का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहे तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने परिसर में अतिरिक्त बैरीकेडिंग कराने का निर्देश देते हुए कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि 27 फरवरी 2026 को मतगणना निर्धारित है। इसे ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया। मतगणना स्थल पर आवश्यक संसाधन, सुरक्षा बल की पर्याप्त तैनाती एवं व्यवस्थित प्रवेश-निकास व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

मौके पर सभी निवार्ची पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

झारखंड बजट पर जामा क्षेत्र के लोगों ने दी मिलीजुली प्रतिक्रिया

जामा : झारखंड सरकार द्वारा मंगलवार को विधानसभा में पेश किए गए बजट को लेकर जामा क्षेत्र में सामाजिक कार्यकताओं एवं आम लोगों के बीच चर्चा का माहौल बना रहा। बजट में ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र पर विशेष जोर दिए जाने की घोषणा के बाद क्षेत्र के लोगों ने अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दी। सामाजिक कार्यकर्ता वरूण यादव ने कहा कि सरकार ने ग्रामीण सड़क, सिंचाई और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही है, जिससे गांवों को सीधा लाभ मिल सकता है। उन्होंने कहा कि यदि योजनाओं का सही क्रियान्वयन हुआ तो इसका सकारात्मक असर जामा प्रखंड पर भी पड़ेगा। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता इंद्रकांत यादव ने कहा कि इस बजट में किसानों के लिए कुछ भी नहीं हैं उन्होंने उम्मीद जताई थी कि किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य मिलना और खाद बीज मुहैया करायीं जाऐगा परंतु ऐसा नहीं हुआ। शिक्षित बेरोजगार युवाओं पर भी सरकार ध्यान नहीं दिया। आम लोगों में भी बजट को लेकर मिश्रित प्रतिक्रिया देखने को मिली। किसान सुशील कुमार ने कहा कि कृषि और सिंचाई योजनाओं के लिए अधिक राशि आवंटित करना अच्छा कदम है, लेकिन किसानों को इसका लाभ समय पर मिलना चाहिए। वहीं स्थानीय युवा सुनील कुमार ने कहा कि रोजगार और कौशल विकास के लिए ठोस पहल की जरूरत है, ताकि पलायन रुके। कुल मिलाकर जामा क्षेत्र में बजट को लेकर आशा और अपेक्षाओं का माहौल है। अब लोगों की नजर इस बात पर टिकी है कि घोषणाएं धरातल पर किस हद तक उतरती हैं।

लाभुकों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े : जिला आपूर्ति

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : जिला आपूर्ति पदाधिकारी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में जन वितरण प्रणाली से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं की समीक्षा की गई। बैठक में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी की उपस्थिति में सभी पीडीएस विक्रेताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।बैठक के दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि सभी पीडीएस विक्रेता इकेवाईसी की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करें।ताकि लाभुकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि इकेवाईसी पूर्ण होने से राशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी तथा पात्र लाभुकों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराना सुनिश्चित होगा।इसके अतिरिक्त, आयुष्मान कार्ड निर्माण को प्राथमिकता के आधार पर संपन्न कराने पर विशेष जोर दिया गया।

अधिकारियों ने विक्रेताओं से अपेक्षा की कि वे लाभुकों को जागरूक करते हुए अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनवाने में सहयोग करें। बैठक में यह भी कहा गया कि स्वास्थ्य सुरक्षा योजना का लाभ हर पात्र परिवार तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि खाद्यान्न वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विक्रेताओं को समय पर वितरण, रिकॉर्ड संधारण एवं शिकायतों के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान देने को कहा।

बैठक में गोदाम प्रभारी, डीएसडी ऑपरेटर, तकनीशियन सहित सभी पीडीएस विक्रेता उपस्थित रहे। इस अवसर पर वितरण प्रणाली से संबंधित तकनीकी पहलुओं, मशीन संचालन, नेटवर्क समस्याओं एवं लाभुक सत्यापन जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई।अधिकारियों ने भरोसा जताया कि सभी विक्रेता प्रशासन के निदेशों का पालन करते हुए योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। बैठक का उद्देश्य वितरण प्रणाली को और अधिक सुचारू, पारदर्शी एवं लाभुक-केंद्रित बनाना बताया गया।

स्टार और स्पॉट बॉय सब बराबर, अक्षय के फैसले को याद कर भावुक हुए गोविंद नामदेव

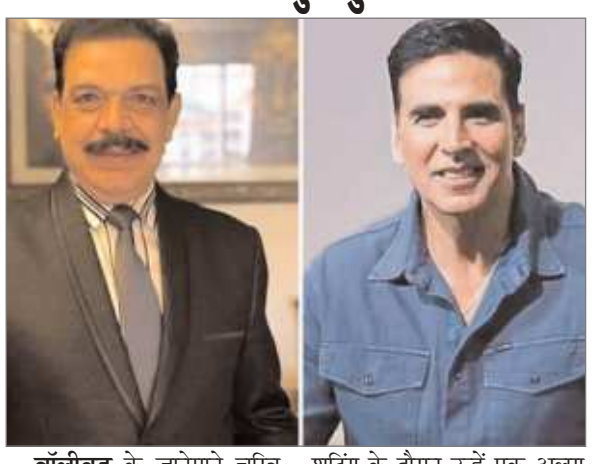

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता गोविंद नामदेवने बताया कि फिल्म ओ माय गॉड की शूटिंग के दौरान स्टार और स्पॉट बॉय कोई भेदभाव नहीं था। बॉलीवुड में स्टार सिस्टम को लेकर अक्सर चर्चा होती रही है। वरिष्ठ अभिनेता गोविंद नामदेव ने हाल ही में एक बातचीत में इंडस्ट्री के इसी सिस्टम पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में बड़े और छोटे स्टार के बीच फर्क साफ तौर पर दिखाई देता है।

चाहे वह सैलरी हो, वैनिटी वैन हो या फिर सेट पर मिलने वाला खाना। गोविंद नामदेव ने कहा कि इंडस्ट्री में एक बड़ा-छोटा स्टार सिस्टम है। लोग अपने स्टेटस के हिसाब से ट्रीटमेंट पाते हैं। जिसे ज्यादा पैसे मिलते हैं, उसे बड़ी वैनिटी वैन मिलती है। सेट पर खाने में भी फर्क होता है। स्टार्स के लिए अलग खाना बनता है और बाकी लोगों के लिए अलग। हालांकि, उन्होंने बताया कि फिल्म ओ माय गॉड! की शूटिंग के दौरान उन्हें एक अलग माहौल देखने को मिला। उनके अनुसार फिल्म के दौरान अक्षय कुमार ने निर्देशक उमेश शुक्ला के साथ मिलकर एक अहम फैसला लिया। गोविंद नामदेव ने बताया कि अक्षय कुमार और उमेश शुक्ला ने तय किया कि सेट पर सभी कलाकार और क्रू मेंबर्स एक जैसा खाना खाएंगे। कोई वीआईपी मेन्यू नहीं होगा। अगर किसी को खानपान में विशेष परहेज है, तो वह अलग बात है, लेकिन स्टार्स के लिए अलग व्यवस्था नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि उस समय सेट का माहौल बिल्कुल अलग था। सब एक साथ बैठकर खाते थे। कोई भेदभाव नहीं था। गोविंद नामदेव के इस बयान ने एक बार फिर बॉलीवुड के स्टार सिस्टम पर चर्चा छेड़ दी है। जहां इंडस्ट्री में अकसर अलग-अलग सुविधाओं को लेकर भेदभाव की बातें सामने आती हैं, वहीं ओह माय गॉड! के सेट पर लिया गया यह फैसला एक मिसाल के तौर पर देखा जा रहा है।

लव एंड वॉर में दिखेगा भंसाली का खास विजन

बॉलीवुड फिल्मकार संजय लीला भंसाली का कहना है कि वह अपनी आने वाली फिल्म लव एंड वॉर के जरिए कुछ खास करने की कोशिश कर रहे हैं। संजय लीला भंसाली को भारतीय सिनेमा के सबसे बेहतरीन और विजनरी डायरेक्टर्स में से एक माना जाता है। वह अपनी फिल्मों की भव्यता और कहानी कहने के अंदाज से इंडियन फिल्मों को ग्लोबल लेवल पर ले जाने के लिए जाने जाते हैं। कई सुपरहिट क्लासिक फिल्में देने के बाद, अब वह अपने करियर के सबसे बड़े और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक लव एंड वॉर की तैयारी कर रहे हैं।

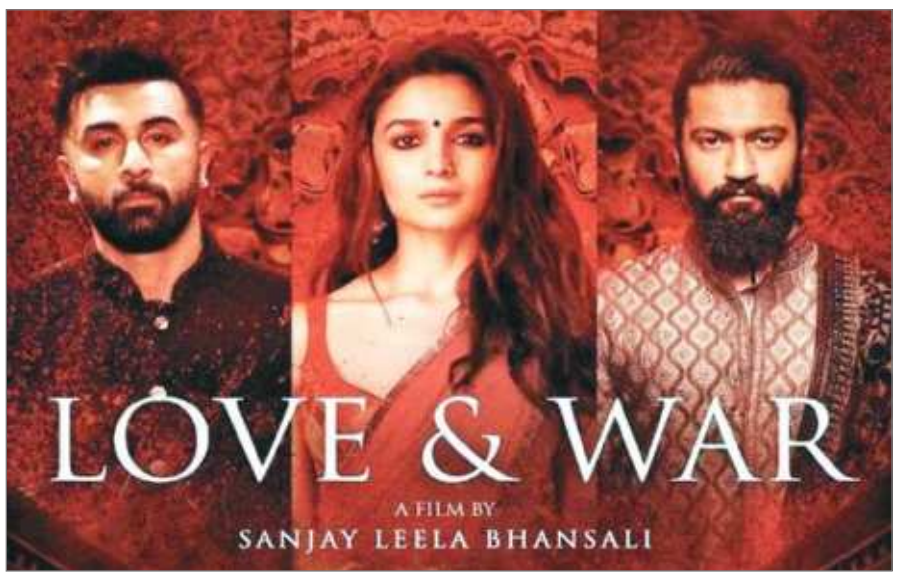

इस ग्रैंड हिस्टोरिकल ड्रामा में पहली बार बॉलीवुड के बड़े सितारे आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल एक साथ लीड रोल में नजर आएंगे। दर्शक इस फिल्म की थिएटर रिलीज का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि अपने जन्मदिन पर भी भंसाली ने सेट पर ही रहना पसंद किया और पूरी तरह लव एंड वॉर के काम में डूबे रहे। अपने जन्मदिन पर काम करने को लेकर उन्होंने कहा कि काम ही वो चीज है, जिससे मेरी पहचान बनती है। जब मेरे पास काम नहीं होता, तो मुझे खुद की कोई वैल्यू महसूस नहीं होती।

एक आर्टिस्ट के तौर पर अब मैं पहले से ज्यादा निडर हो गया हूं और रिस्क लेने के लिए तैयार हूं। आज मैं 5 या 10 साल पहले के मुकाबले ज्यादा मेहनत कर रहा हूँ। मैं हर दिन करीब 20 घंटे काम करता हूँ और मुझे इसमें मजा आ रहा है। प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी न देते हुए उन्होंने कहा कि मैं यहां कुछ खास करने की कोशिश कर रहा हूं। हाल ही में, संजय लीला भंसाली ने लव एंड वॉर के लिए दो बहुत बड़े म्यूजिकल सीक्वेंस शूट किए हैं, जिससे इस प्रोजेक्ट को लेकर लोगों की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। अपनी ग्रैंड विजुअल स्टोरीटेलिंग के लिए मशहूर भंसाली ने यह पक्का किया है कि इन गानों की कोरियोग्राफी शानदार हो, मूवमेंट्स दमदार हों और स्टेजिंग बिल्कुल नई हो, जो फिल्म की वॉर-एरा लव ट्रायंगल वाली इमोशनल कहानी से गहराई से जुड़ी हो। रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल जैसी पावरहाउस तिकड़ी के साथ भंसाली के हाथ मिलाने की खबर ने जबरदस्त हलचल पैदा कर दी है। ऐसे में इस बड़े कोलैबोरेशन को अभी से सिनेमा की एक ऐतिहासिक घटना के रूप में देखा जा रहा है।

लंदन फैशन वीक-2026 में कृति सेनन का जलवा

बॉलीवुड की स्टाइल आइकन कृति सैनन ने एक बार फिर लंदन फैशन वीक में अपनी शानदार उपस्थिति दर्ज कराते हुए वैश्विक मंच पर अपनी दमदार पहचान स्थापित की। अंतरराष्ट्रीय फैशन जगत के इस प्रतिष्ठित आयोजन में उनकी मौजूदगी सीजन का एक प्रमुख आकर्षण बन गई। हाई-कॉन्सेप्ट कूट्योर को सहज और पहनने योग्य एलिगेंस के साथ प्रस्तुत करने की उनकी क्षमता ने दुनिया भर के फैशन विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया। यह वैश्विक पहचान उनके करियर के उस शिखर पर आई है, जब कृति सैनन भारतीय फिल्म उद्योग की शीर्ष अभिनेत्रियों में शामिल हैं। इस अवसर पर कृति ने बरबेरी के परिधान में टेक्सचर के संतुलन और विरासत की झलक पेश की। उन्होंने चॉकलेट-भूरे रंग का आकर्षक ट्रेंच कोट पहना, जो उनके पूरे लुक का मुख्य आधार था।

संरचित सिल्हूट और कमर पर बंधी बेल्ट ने उनके व्यक्तित्व में कालातीत गरिमा और आत्मविश्वास जोड़ा। मोनोक्रोम रंग संयोजन को तोड़ते हुए उन्होंने जीवंत टील रंग का पैटर्न वाला स्कार्फ पहना, जिसने लुक में ताजगी और दृश्यात्मक विविधता जोड़ी। इसके साथ उन्होंने घुटनों तक के स्लीक लेदर बूट्स और एक क्लासिक स्ट्रक्चर्ड हैंडबैग कैरी किया। उनके बालों को हाई-फैशन टॉप-नॉट में स्टाइल किया गया था, जिसने उनके निखरे हुए चेहरे और सुसंस्कृत मेकअप को और उभारा। परिधानों से आगे बढकर, कृति की यह उपस्थिति वैश्विक मंच पर एक सशक्त फैशन वक्तव्य भी थी। भारतीय सिनेमा से लेकर लंदन के प्रतिष्ठित रनवे की फ्रंट रो तक का उनका यह सफर आधुनिक इट-गर्ल छवि को एक विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय अंदाज में परिभाषित करता है। उद्योग में उनका कद लगातार ऊंचा हो रहा है, और ऐसे आयोजनों में उनकी मौजूदगी यह दशार्ती है कि वह ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन दोनों ही जगह ट्रेंड स्थापित करने वाली अग्रणी अभिनेत्री हैं। उनकी आगामी फिल्मों को लेकर भी प्रशंसकों में उत्साह चरम पर है। कृति सैनन जल्द ही बहुप्रतीक्षित फिल्म कॉकटेल 2 में शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना के साथ नजर आएंगी।

भूत बंगला का नया पोस्टर रिलीज, 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में आयेगी मूवी

बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म भूत बंगला का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। फिल्म भूत बंगला 2026 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है क्योंकि यह बॉलीवुड के ओजी अक्षय कुमार और प्रियदर्शन के बहुप्रतीक्षित रीयूनियन को दिखाती है, जो पूरे 14 साल के लंबे अंतराल के बाद साथ आ रहे हैं। बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म ने उन फैन्स के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है, जो इस जोड़ी की आइकॉनिक कॉमेडी फिल्मों को पसंद करते हुए बड़े हुए हैं। फिल्म को लेकर बज अब तक के सबसे ऊंचे लेवल पर है और इसकी बड़ी वजह इस लेजेंडरी एक्टर-डायरेक्टर जोड़ी का दोबारा साथ आना है। इनके पिछले कोलैबोरेशन ने हमें कई यादगार कॉमेडी क्लासिक्स दी हैं और भूत बंगला से भी फैन्स को उसी पुरानी दीवानगी और सिग्नेचर ह्यूमर की बड़े पर्दे पर वापसी की उम्मीद है। इस एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए मेकर्स ने अक्षय कुमार वाला फिल्म का मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया है।

फिल्म का यह नया विजुअल एक गहरे हॉरर लुक के साथ-साथ फुल कॉमेडी का तडका भी पेश करता है! अक्षय कुमार एक बार फिर अपने पुराने अंदाज में नजर आ रहे हैं, जहां उनका पहनावा, रुद्राक्ष, उनकी सिग्नेचर हंसी और डरावने चेहरों और सींगों वाले सिंहासन पर बैठना, फिल्म के लार्जर-दैन-लाइफ स्केल की तरफ इशारा कर रहा है। बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के एक डिवीजन बालाजी मोशन पिक्चर्स ने केप ऑफ गुड फिल्म्स के साथ मिलकर भूत बंगला पेश किया है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू, राजपाल यादव, मिथिला पालकर और दिवंगत असरानी जी जैसे कलाकार नजर आएंगे। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म को अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग मामले में चौंकाने वाला खुलासा

तिहाड़ और आर्थर रोड जेल से रची गई हमले की साजिश

मशहूर बॉलीवुड फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर पर पिछले दिनों फायरिंग की घटना हुई थी। वहीं, अब इस मामले में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। हाल ही में मुंबई क्राइम ब्रांच की पूछताछ में ये बात सामने आई है कि दिल्ली की तिहाड़ और मुंबई की आर्थर रोड जेल से इस पूरी वारदात की साजिश रची गई थी।

हाल ही में पूछताछ के दौरान हरियाणा और उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार हुए आरोपियों ने पुलिस को बताया कि इस साजिश के तार लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गों से जुड़े हुए हैं।

पुलिस के मुताबिक, रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग करने की मुख्य जिम्मेदारी 'आगरा मॉड्यूल' को दी गई थी। इस मॉड्यूल में शूटर दीपक चंद्रा मुख्य भूमिका में था। जांच में खुलासा हुआ कि दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद लॉरेंस गैंग के सदस्य गोलू पंडित ने इस पूरे मॉड्यूल का कोऑर्डिनेशन किया था। गोलू पंडित और शुभम लोनकर के बीच पुराना परिचय था, जिसके चलते शुभम ने गोलू को फायरिंग के लिए नए लड़कों की भर्ती करने का काम सौंपा था। शूटरों की भर्ती की प्रक्रिया काफी सोची-समझी थी। तिहाड़ में बंद गोलू पंडित ने विष्णु कुशवाहा नाम के शख्स से संपर्क किया, जिसने आगे चलकर शूटर दीपक और अन्य लड़कों को इस अपराध के लिए तैयार किया। बाद में शुभम लोनकर और आरजू बिश्नोई सीधे दीपक और उसके साथियों के संपर्क में आए और उन्हें काम के बदले मोटी रकम देने का लालच दिया।

चौंकाने वाली बात यह है कि शूटरों की गिरफ्तारी से कुछ दिन पहले ही गोलू पंडित जमानत पर बाहर आ गया था। अब मुंबई पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

वहीं, इस वारदात के लिए वाहन और हथियारों की व्यवस्था पुणे मॉड्यूल के जरिए की गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि इसका संचालन शुभम लोनकर का भाई प्रवीण लोनकर कर रहा था, जो इस समय आर्थर रोड जेल में बंद है। उस पर एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में भी आरोप हैं। जांच एजेंसियों का दावा है कि जेल में रहते हुए ही वह इस हमले से जुड़ी लॉजिस्टिक गतिविधियों को संभाल रहा था।

अब मुंबई पुलिस प्रवीण लोनकर की रिमांड लेने की तैयारी में है, ताकि पूछताछ के जरिए इस साजिश के और पहलुओं को उजागर किया जा सके। यह मामला इस ओर इशारा करता है कि जेल के भीतर से भी संगठित अपराध किस तरह सक्रिय है और फिल्म इंडस्ट्री की बड़ी हस्तियों को निशाना बनाने की कोशिशें जारी हैं।

रणबीर कपूर ने जब संजय लीला भंसाली को लेकर कही थी दिल की बात

संजय लीला भंसाली के जन्मदिन पर रणबीर कपूर की उस बात को याद करने का एकदम सही मौका है जब उन्होंने इस मशहूर फिल्ममेकर को पिछले चार दशकों का सबसे बेहतरीन डायरेक्टर कहा था।

?रणबीर कपूर ने अक्सर इस बारे में बात की है कि एक एक्टर के तौर पर भंसाली का उन पर कितना गहरा असर रहा है। भंसाली के डायरेक्शन में सांवरिया से अपने करियर की शुरूआत करने वाले रणबीर ने उनके साथ काम करने को एक कमाल का अनुभव बताया। उन्होंने यह भी कहा कि इस फिल्ममेकर के साथ काम करने के लिए खुद को पूरी तरह उनके हवाले करना पड़ता है और इसके लिए बहुत अनुशासन और ईमानदारी की जरूरत होती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भंसाली अपने एक्टर्स को उनके कंफर्ट जोन से बाहर निकालते हैं और उन्हें ऐसी परफॉरमेंस देने के लिए चुनौती देते हैं जो गहरी और बदलाव लाने वाली हो।

सालों से संजय लीला भंसाली ने एक ऐसी विरासत बनाई है जो अपनी भव्यता, जज्बातों की गहराई, दमदार एक्टिंग और कभी न भूलने वाले संगीत के लिए जानी जाती है। उनकी फिल्में पर्दे पर सिर्फ कहानियाँ नहीं हैं, बल्कि वे कला और बारीकियों से तैयार किए गए शानदार अनुभव हैं। विजुअल्स पर अपनी पकड़ से लेकर बारीक एक्टिंग करवाने की काबिलियत तक, भंसाली इंडियन सिनेमा में स्केल और कहानी कहने के अंदाज को लगातार नया रूप दे रहे हैं। अक्सर राज कपूर, के. आसिफ और गुरु दत्त जैसे दिग्गजों के साथ याद किए जाने वाले भंसाली ने भारतीय कहानियों को सबसे असली और भव्य तरीके से पेश करने का एक बेंचमार्क सेट किया है। वह एंटरटेनमेंट की दुनिया की एक ऐसी ताकत हैं जिन्होंने इंडियन सिनेमा को ग्लोबल स्टेज पर पहुँचाया है।

आज जब वह अपना एक और जन्मदिन मना रहे हैं, संजय लीला भंसाली एक लिविंग लीजेंड के तौर पर सबके सामने हैं। वह एक ऐसे विजनरी हैं जिनका सिनेमा सिर्फ बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों को प्रेरित करता रहता है।

टी20 वर्ल्ड कप: न्यूजीलैंड के खिलाफ करो या मरो मैच में श्रीलंका को लगाना होगा जोर

एजेंसी/ कोलंबो: श्रीलंका को अगर टी-20 विश्व कप में अपनी उम्मीदों को जीवंत रखना है, तो उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ आज (बुधवार को) कोलंबो में होने वाले सुपर आठ के करो या मरो के मुकाबले में स्पिन गेंदबाजों के सामने अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा। सुपर आठ के पहले मैच में मिली करारी हार के बाद श्रीलंका के बल्लेबाजों के शॉट चयन पर सवाल उठाए गए थे और उसकी टीम को अपनी इन गलतियों से सबक लेना होगा।श्रीलंका के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने टीम के खराब प्रदर्शन पर कहा कि यह एक टी-20 मैच है, इसलिए जाहिर है कि आप अधिक से अधिक रन बनाने की कोशिश करते हैं, लेकिन जब गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही होती है, तो यह कहना आसान है, करना मुश्किल।वहीं न्यूजीलैंड को बारिश के कारण मैच रद्द होने के बाद पाकिस्तान के साथ एक अंक साझा करना पड़ा। उसके पास भी कप्तान मिचेल सेंटनर सहित अच्छे स्पिनर हैं, जो श्रीलंका के बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं।

शोएब अख्तर ने भारतीय गेंदबाजों का उड़ाया मजाक, कहा, मैल्कम मार्शल जैसा खौफ नहीं

,2
एजेंसी/ इस्लामाबादः टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया को सुपर-8 में साउथ अफ्रीका से बड़ी हार मिली। इस हार के बाद पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर का बड़ा बयान आया है, जिसमें उन्होंने टीम इंडिया की गेंदबाजी पर तीखा हमला बोला है। उनका मानना है कि इस मैच ने भारतीय गेंदबाजी की कमजोर कड़ी को पूरी तरह उजागर कर दिया। साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत के दो तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे ने 6 ओवर में कुल 77 रन लुटा दिए और सिर्फ एक विकेट हासिल किया।

पाकिस्तान ने दोनों गेंदबाजों का मजाक उड़ाते हुए कहा कि दोनों में ही महान तेज गेंदबाज मैल्कम मार्शल जैसा खौफ नहीं था। अख्तर ने निशाना साधते हुए कहा कि वे 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे थे। ऐसा नहीं है कि वे मैल्कम मार्शल हैं, जो साउथ अफ्रीका जैसी बैटिंग लाइन-अप को डरा सके।

पश्चिम बंगाल की 6 अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी से मचा हड़कंप, माओवादी हमले के दावे से सहमे लोग

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में उस वक्त भारी दहशत फैल गई, जब राज्य की छह प्रमुख अदालतों को एक साथ बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह खौफनाक धमकी ई-मेल के जरिए दी गई, जिसमें दावा किया गया था कि अदालत परिसरों में खतरनाक विस्फोटक लगाए गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया और तुरंत स्निफर डॉग्स तथा बम निरोधक दस्ते को मौके पर भेजकर सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। घंटों की कड़ी मशक्कत और चप्पे-चप्पे की तलाशी के बाद भी कहीं से कोई विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई है।

ई-मेल में आरडीएक्स ब्लास्ट का खौफनाक दावा: जिन अदालतों को यह धमकी भरा ई-मेल मिला, उनमें कोलकाता का सिटी सिविल एंड सेशंस कोर्ट, बैंकशाल कोर्ट, हुगली का चिनसुराह कोर्ट, पश्चिम बर्दवान का आसनसोल व दुर्गापुर कोर्ट और मुर्शिदाबाद का बेरहामपुर कोर्ट शामिल हैं। ई-मेल भेजने वाले ने दहशत फैलाने के मकसद से लिखा था कि अदालत परिसर में आरडीएक्स से बना आईईडी बम लगाया गया है, जिसे ठीक दोपहर 12 बजे रिमोट कंट्रोल के जरिए उड़ा दिया जाएगा। इसके साथ ही यह भी दावा किया गया था कि पांच से सात हथियारबंद माओवादी कोर्ट और जज के चेंबर में घुसकर इस धमाके को अंजाम देंगे। धमकी मिलते ही पुलिस ने लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर आनन-फानन में कोर्ट परिसरों को खाली करा लिया और लोगों को सुरक्षित दूरी पर भेज दिया।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी के बीच मिली धमकी: पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों का मानना है कि शुरूआती जांच में यह पूरी तरह से एक फर्जी ई-मेल (होक्स) लग रहा है। हालांकि, इस धमकी की टाइमिंग बेहद संवेदनशील है। यह घटना ऐसे वक्त में सामने आई है जब हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में चल रही वोटर लिस्ट की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर अहम टिप्पणी की थी। शीर्ष अदालत ने कहा था कि इस प्रक्रिया के लिए ओडिशा और झारखंड के न्यायिक अधिकारियों की भी तैनाती की जा सकती है। इस एसआईआर प्रक्रिया के तहत राज्य में करीब 60 लाख विवादित दावों का निपटारा किया जाना है, जिसे लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा था कि न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।

साइबर सेल कर रही है जांच: अदालतों में मचे इस हड़कंप के बीच राज्य सचिवालय नबन्ना में मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती, पुलिस महानिदेशक पीयूष पांडे और कोलकाता पुलिस आयुक्त सुप्रतिम सरकार ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हालात की जानकारी दी। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि सभी ई-मेल एक ही पैटर्न पर भेजे गए हैं और न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि एसआईआर प्रक्रिया पर कोई असर न पड़े। वहीं, पुलिस आयुक्त ने बताया कि साइबर क्राइम विंग ई-मेल के स्रोत और इसके पीछे के आरोपियों का पता लगाने में जुटी है। घटना के बाद डर के माहौल को देखते हुए एहतियात के तौर पर राज्य की सभी अदालतों की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

राज्यसभा के लिए हाइकमान तय करेगा प्रत्याशी, सीएम बोले, राहुल और खडगे लेंगे आखिरी फैसला

शिमला: सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्यसभा चुनाव के लिए अभी समय है। राज्यसभा के चुनाव का फैसला हाईकमान करती है। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खडगे प्रत्याशी का चयन करेंगे। हाईकमान की इसका निर्णय लेगा। इसके बाद हम उन्हें वोट डालकर उसे राज्यसभा भेजेंगे। हम चाहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी सहयोग करे, लेकिन वे सहयोग करने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि 15वें वित्तायोग के पास भाजपा और जयराम ठाकुर और प्रदेशाध्यक्ष गए और कहा कि हमें आरडीजी मिलनी चाहिए, लेकिन विधानसभा में हिमाचल के हितों और अधिकारों की रक्षा के हितों की बात आई, तो वह हल्ला करते रहे। ऐसे में प्रदेश का हित कैसे होगा। कौन प्रदेश हित की लड़ाई लड़ रहा है, यह सब जनता देख रही है।

सुक्खू ने कहा, हिमाचल सदन पर रेड दुर्भाग्यपूर्ण : सीएम सुखविंदर सुक्खू ने कहा कि दिल्ली के हिमाचल सदन में हुई रेड दुर्भाग्यपूर्ण है। वह वहां ठहरे हुए थे। हमारे यूथ कांग्रेस के युवा वहां आते हैं। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष कह रहे थे कि सीएम कार्यालय से वहां की बुकिंग होती है। सुक्खू ने कहा कि सीएम कार्यालय से बुकिंग नहीं होगी, तो कहां से होगी? हम उनकी बुकिंग नहीं, सबकी बुकिंग करते हैं। हिमाचल के लोगों के लिए हिमाचल भवन है। उसका वह किराया देते हैं। यदि वे ठहरे थे और इस प्रकार की यदि रेड करनी थी, तो उसकी जानकारी आरसी को देनी चाहिए थी। उन्हें भी जानकारी नहीं दी। मुझे भी इसकी जानकारी नहीं दी गई। लोकतंत्र में जो शांतिप्रिय तरीके से विरोध करता है, तो उसे विरोध नहीं कहते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता अरेस्ट कर लिए गए।

ओडिशा-झारखंड के सिविल जज भी करेंगे बंगाल में एसआईआर, सुप्रीम कोर्ट बोला, खर्च चुनाव आयोग उठाए

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया में सामने आए 80 लाख क्लेम निपटाने के लिए दो राज्यों से सिविल जजों को तैनात करने की परमिशन दे दी है। कोर्ट ने आदेश दिया कि कलकत्ता हाईकोर्ट पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट एसआईआर प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए झारखंड-ओडिशा के सिविल जजों की मदद ले सकता है। बैंच ने कहा कि इन ऑफिसरों का खर्च चुनाव आयोग उठाएगा। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बैंच ने चुनाव आयोग से कहा कि वह 28 फरवरी को बंगाल की फाइनल एसआईआर लिस्ट पब्लिश कर सकता है।

अमेरिका युद्धपोत पर टॉयलट वॉर , सीवेज सिस्टम फेल, आपस में ही भिड़े ईरान से जंग लड़ने आए यूएस सैनिक

एजेंसी/ वाशिंगटन: पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान और अमरीका के बीच कभी भी जंग छिड़ सकती है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दे रखी है। एक तरफ ईरान ने इसके लिए तैयारी कर रखी है, तो दूसरी तरफ अमरीकी नौसेना ने भी ईरान के करीब भारी सैन्य तैनाती कर रखी है। अमेरिका ने दुनिया का सबसे बड़ा विमानवाहक पोत यूएसएस जेराल्ड आर. फोर्ड को ईरान के करीब तैनात कर रखा है, जिस पर करीब 5000 जवान तैनात हैं, जो अब आपस में ही लड़ रहे हैं। दरअसल, यह विमानवाहक पोत एक अजीब से समस्या से जूझ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जहाज पर लगे सीवेज सिस्टम में खराबी आ गई है और अधिकतर टॉयलट जाम हो चुके हैं।

इससे विमान में मौजूद सैनिकों की जिंदगी बदहाल हो गई है। 4,500 से ज्यादा नौसैनिकों को रोजाना 45 मिनट तक लाइन में लगना पड़ रहा है। सीवेज सिस्टम फेल हो चुके हैं। इस वजह से इस युद्धपोत पर तैनात हजारों नाविकों को नित्य क्रिया के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। हालात ये है कि एक-एक सैनिक को टॉयलेट जाने के लिए 45 मिनट तक का लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, वैसे तो इस युद्धपोत पर 650 टॉयलट हैं, लेकिन अधिकांश जाम पड़े हैं। इस वजह से सैनिक रोज आपस में ही उलझ रहे हैं। प्लंबिंग और मरम्मत के लिए जिम्मेदार टेक्नीशियन और नौसैनिकों के बीच अकसर कहासुनी भी हो रही है।

घर में बम रखा है..ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री को मिली धमकी, आनन-फानन में खाली कराया सरकारी आवास

३ **कैनबरा :** ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा से एक बड़ी और हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज के सरकारी आवास को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने देर रात फौरन कार्रवाई की और प्रधानमंत्री अल्बानीज को सुरक्षित उनके आवास से बाहर निकाल लिया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब जल्द ही एक अहम विदेशी दौरा होने वाला है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और बढ़ गई है।

पुलिस ने पूरे इलाके को घेरा, बम निरोधक दस्ते की जांच जारी: स्थानीय मीडिया संस्थान एसबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, कैनबरा पुलिस को एक अज्ञात फोन कॉल के जरिए प्रधानमंत्री आवास में बम प्लांट होने की सूचना मिली थी। इसके तुरंत बाद पुलिस और सुरक्षा बलों ने पीएम आवास को चारों तरफ से घेर लिया। प्रधानमंत्री अल्बानीज को एहतियात के तौर पर तुरंत वहां से रेस्क्यू कर किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया। फिलहाल जांच टीम और सुरक्षा एजेंसियां प्रधानमंत्री आवास और उसके आसपास के इलाके की सघन तलाशी ले रही हैं ताकि किसी भी तरह के खतरे से निपटा जा सके।

पिछले साल भी मिली थी जान से मारने की धमकी: प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज की सुरक्षा को लेकर पहले भी चूक और धमकियों के मामले सामने आ चुके हैं। इससे पहले मार्च 2025 में भी उन्हें जान से मारने की धमकी मिली थी। उस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने 36 साल के एक युवक को गिरफ्तार किया था। पुलिस की जांच में पता चला था कि धमकी देने वाला शख्स नशे का आदी था और उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। इसके अलावा, इसी महीने की शुरूआत में पीएम आवास से कुछ ही दूरी पर एक हमले की घटना भी हुई थी, जिसमें पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया था।

कनाडाई पीएम मार्क कार्नी के दौरे से ठीक पहले साजिश की आशंका : इस बम की धमकी को सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील माना जा रहा है क्योंकि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी अगले ही हफ्ते ऑस्ट्रेलिया के अहम दौरे पर पहुंचने वाले हैं। इस दौरे के दौरान उनकी प्रधानमंत्री अल्बानीज के साथ कई अहम द्विपक्षीय मुद्दों पर बैठक होनी है। उम्मीद जताई जा रही है कि दोनों देशों के बीच ऊर्जा क्षेत्र को लेकर कोई बड़ा समझौता भी हो सकता है। ऐसे में कनाडाई पीएम के दौरे से ठीक पहले इस तरह की धमकी मिलना सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है।

केंद्र ने 2021 से अब तक कबाड़ की बिक्री कर कमाए 4,405 करोड़

नई दिल्ली: सरकार ने सोमवार को कहा कि स्वच्छता अभियान के तहत वर्ष 2021 से जनवरी 2026 तक, उसने कबाड़ की बिक्री से कुल 4,405.28 करोड़ रुपए की आय अर्जित की है। प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के अनुसार, दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 के दौरान कबाड़ निपटान से 200.21 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई है, जबकि जनवरी माह में स्वच्छता अभियान के तहत 5,188 कार्यालयों में 81,322 फाइलें छांटी गईं।

विभाग के मुताबिक, सचिवालय सुधार का 27वां संस्करण शासन और प्रशासन में परिवर्तन लाने के उद्देश्य से चल रही पहलों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करता है। जनवरी में देशभर में 5,188 स्थानों पर सफाई अभियान सफलतापूर्वक चलाए गए। लगभग 4.34 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थान खाली हुआ है, जिसमें कोयला मंत्रालय (1,88,687 वर्ग फुट) और भारी उद्योग मंत्रालय (62,129 वर्ग फुट) का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पिछले महीने, कबाड़ निपटान से 115.85 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई, जिसमें रेल मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय और कोयला मंत्रालय जैसे मंत्रालयों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

वहीं, एक रिपोर्ट में बताया गया, ह्लप्रभावी अभिलेख प्रबंधन के तहत 1,82,000 फिजिकल फाइलों की समीक्षा की गई, जिनमें से 81,322 फाइलें अनावश्यक पाई गईं। 5,57,852 जन शिकायतों का निपटारा किया गया (कुल शिकायतों का 90.41 प्रतिशत निपटाया गया), साथ ही 1,032 सांसद संबंधी संदर्भों और 375 राज्य सरकार संबंधी संदर्भों का भी निपटारा किया गया। इसमें आगे कहा गया है कि फाइलों की संख्या कम करने की पहल को अपनाने से सक्रिय फाइलों के लिए औसत लेनदेन स्तर में उल्लेखनीय कमी आई है, जो 2021 में 7.19 से घटकर जनवरी 2026 तक 4.31 हो गया है।

जनवरी 2026 में बनाई गई कुल फाइलों में से लगभग 93.81 प्रतिशत ई-फाइलें हैं। प्राप्त रसीदों में से लगभग 95.29 प्रतिशत ई-रसीदें थीं, और 65 मंत्रालयों/विभागों ने उल्लेखनीय स्तर पर कम से कम 90 प्रतिशत ई-फाइलों को अपनाया है। 26 जनवरी के लिए पंद्रह मंत्रालयों/विभागों की ई-रसीदों में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

अब कटने-बंटने के दिन गए.., आरएसएस चीफ मोहन भागवत का बड़ा बयान

आरक्षण, लिव-इन और यूसीसी पर रखी बेबाक राय

देहरादून : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने देश के बंटवारे, आरक्षण, समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे ज्वलंत मुद्दों पर बेबाक राय रखी है। देहरादून के हिमालयन कल्चरल सेंटर में ह्यसंघ यात्रा-नये क्षितिज, नये आयाम विषय पर आयोजित एक प्रमुख जन गोष्ठी को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत में अब कटने और बंटने के दिन पूरी तरह से जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1947 के विभाजन जैसी त्रासदी को अब दोबारा किसी भी परिस्थिति में दोहराने नहीं दिया जाएगा, क्योंकि आज समाज और राष्ट्र दोनों पूरी तरह से जागृत हो चुके हैं और पूरी दुनिया भारत को नेतृत्व की भूमिका में देख रही है।

जब तक मन में भेदभाव, तब तक जारी रहे आरक्षण: समाज में समानता और आरक्षण के मुद्दे पर बोलते हुए आरएसएस प्रमुख ने साफ किया कि देश में आरक्षण बराबरी लाने के लिए ही लागू किया गया था। उनका स्पष्ट मानना है कि जब तक लोगों के मन और व्यवहार में सामाजिक विषमता या भेदभाव बना रहेगा, तब तक समाज में अदृश्य छुआछूत चलती रहेगी। इसलिए, जब तक समाज के मन से यह भेदभाव पूरी तरह खत्म नहीं हो जाता, तब तक आरक्षण व्यवस्था को जारी रहना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि हजारों साल पुरानी इस समस्या का स्थायी समाधान केवल नियम-कानूनों से नहीं, बल्कि सच्चे सामाजिक सद्भाव से ही निकलेगा। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि वर्गीकरण में बंटने के बजाय सभी एकजुट होकर रहें।

जनसंख्या कानून और महिलाओं के लिए 50 फीसदी कोटे का समर्थन: जनसंख्या नियंत्रण और समान अधिकारों की वकालत करते हुए डॉ. भागवत ने जनसंख्या कानून की जरूरत पर बल दिया और तीन बच्चों की बात का समर्थन किया। उन्होंने उत्तराखंड सरकार द्वारा लागू की गई समान नागरिक संहिता की पहल की जमकर सराहना की और इसे समाज को एकजुट करने वाला बेहतरीन कदम बताते हुए पूरे देश में लागू किए जाने का समर्थन किया। इसके साथ ही, महिला सशक्तिकरण पर बड़ा बयान देते हुए उन्होंने कहा कि महिलाएं समाज की आधी आबादी और शक्ति हैं, इसलिए उन्हें केवल 33 प्रतिशत नहीं बल्कि पूरे 50 प्रतिशत आरक्षण का अधिकार मिलना चाहिए।

लिव-इन संस्कृति को बताया अस्वीकार्य, नई पीढ़ी को दी नसीहत: पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते प्रभाव पर चिंता जताते हुए सरसंघचालक ने लिव-इन रिलेशनशिप को भारतीय समाज के लिए पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि बिना विवाह के उभोग तो सिर्फ जानवरों में होता है, इसलिए आज के युवाओं को विवाह जैसी संस्था की सामाजिक जिम्मेदारी उठानी ही होगी। इसके अलावा, नई पीढ़ी (जेन-जी) और बढ़ती तकनीक पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के साथ प्रामाणिकता से पेश आना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि तकनीक को मानव संस्कारों और मनुष्यता की कीमत पर कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इसके लिए उन्होंने सभी परिवारों से घरों में अपना स्क्रीन टाइम भी संयमित रखने का खास आह्वान किया।

ओवैसी के नए दांव से बढ़ी तेजस्वी की टेंशन, 5 विधायकों के दम पर आरजेडी के सामने रखी शर्त

पटना: बिहार की सियासत में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद बदले राजनीतिक समीकरण अब राज्यसभा चुनाव में भी असर दिखा रहे हैं। 16 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव से पहले पांचवीं सीट को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच जोड़-तोड़ का खेल तेज हो गया है। इस पूरे घटनाक्रम में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम अहम भूमिका में नजर आ रही है।

क्या है सीटों का अंकगणित? : 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए 41 विधायकों का समर्थन जरूरी है। मौजूदा आंकड़ों के मुताबिक एनडीए के पास बहुमत का मजबूत आंकड़ा है, जिससे चार सीटों पर उसकी स्थिति लगभग सुरक्षित मानी जा रही है। वहीं पांचवीं सीट के लिए विपक्षी दलों को एकजुट होना अनिवार्य है। 202 विधायकों के साथ एनडीए आसानी से 4 राज्यसभा सीटें (2 भाजपा, 2 जेडीयू) जीत रहा है। चार सीटें जीतने के बाद भी आजेडी के पास 38 अतिरिक्त वोट बचेंगे, यानी उन्हें पांचवीं राज्यसभा सीट के लिए मात्र 3 और वोटों की जरूरत होगी। जबकि विपक्षी गठबंधन के पास केवल 35 विधायक हैं। पांचवीं राज्यसभा सीट जीतने के लिए उन्हें 6 अतिरिक्त वोटों की आवश्यकता है।

न्यूज IN ब्रीफ

एसएसएलएनटी छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

धनबाद : एसएसएलएनटी महिला कॉलेज की एनएसएस यूनिट वन की ओर छात्राओं ने मंगलवार को फाइलेरिया रोग उन्मूलन कार्यक्रम का आयोजन किया। छात्राओं ने हाथों में बैनर व पोस्टर लेकर जागरूकता रैली निकाल शहरवासियों को जागरूक किया। फाइलेरिया रोग का कारण व रोकथाम की जानकारी आमलोगों को दी। मौके पर प्रोफेसर इंचार्ज विमल मिंज, एनएसएस यूनिट वन प्रोग्राम ऑफिसर डॉ मोनालिसा साहा, बीएड विभागाध्यक्ष डॉ सुजाता मिश्रा, डॉ धीरज मिश्रा, डॉ गोविंद महतो समेत अन्य सक्रिय रहे।

जनशताब्दी टाटा में रद्द होने से परेशान हुए चाईबासा के यात्री

जमशेदपुर : हावड़ा बड़बिल जनशताब्दी एक्सप्रेस बुधवार को टाटानगर आकर रद्द होगी। इससे टाटानगर स्टेशन से बड़बिल, नोवामुंडी, चाईबासा समेत अन्य स्टेशन के यात्रियों को परेशानी हुई। हावड़ा से ही ट्रेन तीन घंटे से ज्यादा लेट चलने के कारण रेलवे जोन से यह आदेश हुआ है। जानकार बताते हैं कि जनवरी से रेलवे ने जनशताब्दी एक्सप्रेस को टाटानगर में कई दिन रद्द हो चुका है। जनशताब्दी एक्सप्रेस को टाटानगर में रद्द करने से यात्रियों में रेलवे के खिलाफ आक्रोश है। दूसरी ओर, बिहार, दिल्ली और मुंबई मार्ग की ट्रेनें लेट से टाटानगर आई है।

सरायढेला में 6 घंटे गुल रही बिजली

धनबाद : सरायढेला क्षेत्र में सोमवार की देर रात से मंगलवार की शाम तक बिजली आपूर्ति ठप रही। करीब 16 घंटों तक बिजली बाधित रहने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सोमवार की देर रात आई खराबी के बाद क्षेत्र की बिजली गुल हो गई थी, जो मंगलवार की दोपहर तक बहाल नहीं हो सकी। बिजली कटौती का असर सरायढेला के साथ-साथ आसपास के कई मोहल्लों पर भी पड़ा। बिजली आपूर्ति बाधित होने से क्षेत्र के लोहार कुल्ही, मंडल पाड़ा, आनंद नगर, वीर कुंवर सिंह कॉलोनी सहित कई इलाकों के लोग रातभर अंधेरे में रहे। जानकारी के अनुसार सरायढेला के मुख्य केबल में देर रात शॉर्ट सर्किट होने के कारण बिजली आपूर्ति ठप हो गई थी।
केबल फॉल्ट की सूचना मिलते ही बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मरम्मत कार्य शुरू किया। हालांकि खराबी गंभीर होने के कारण इसे ठीक करने में काफी समय लग गया। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि केबल की मरम्मत कर शाम तक आपूर्ति बहाल कर दी गई है और भविष्य में ऐसी समस्या न हो, इसके लिए लाइन की जांच की जा रही है।

मतदान कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

दुमका : नगरपालिका आम निर्वाचन-2026 के तहत 27 फरवरी शुक्रवार को होने वाली मतगणना कार्य को सफलतापूर्वक एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से कन्वेंशन सेंटर, दुमका में मंगलवार को मतगणना कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिनियुक्त काउंटिंग सुपरवाइजर एवं काउंटिंग असिस्टेंट को विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों द्वारा मतगणना कक्ष की व्यवस्था, टेबलवार दायित्व, बैलेट बंडल की सील जांच की प्रक्रिया, प्रत्येक राउंड के मतों की घोषणा, अभ्यर्थियों के अधिकृत एजेंटों की उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा अंतिम परिणाम तैयार करने की संपूर्ण प्रक्रिया पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण कोषांग के पदाधिकारियों ने निर्देश दिया कि सभी कर्मी निर्धारित समय पर उपस्थित होकर अपने-अपने दायित्वों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करें, ताकि मतगणना कार्य शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न कराया जा सके। मौके पर प्रशिक्षण कोषांग के सहायक नोडल पदाधिकारी, ईडीएम दुमका सहित अन्य उपस्थित थे।

धनबाद से हटाए गए लालदेव, राज्यस्तरीय जांच शुरू

धनबाद : सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा और एनसीडी सेल के जिला कार्यक्रम सहायक लालदेव रजक के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद की राज्यस्तरीय जांच शुरू कर दी गई है। जांच के क्रम में जिला कार्यक्रम सहायक को धनबाद एनसीडी सेल से हटाकर रांची आरसीएच में प्रतिनियुक्त किया गया है। अधिकारियों के अनुसार नगर निगम चुनाव संपन्न होने के बाद पूरे मामले की विस्तृत जांच की जाएगी और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी। बता दें कि एनसीडी सेल का कार्यालय सिविल सर्जन कार्यालय में शिफ्ट कराने को लेकर दोनों के बीच विवाद काफी समय से जारी था।
लालदेव रजक ने इस संबंध में जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ जिला और राज्यस्तर के अधिकारियों से भी शिकायत की थी। हाल ही में सिविल सर्जन कार्यालय में हुए विवाद के दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर कई आरोप लगाए थे। मामले ने तूल पकड़ने के बाद राज्य स्तर से हस्तक्षेप करते हुए जिला कार्यक्रम सहायक की प्रतिनियुक्ति रांची कर दी गई और पूरे प्रकरण की औपचारिक जांच शुरू कर दी गई है।

कलियासोल व एग्यारकुंड में बालिका आवासीय विद्यालय खुलेगा

धनबाद : धनबाद के कलियासोल व एग्यारकुंड में बालिका आवासीय विद्यालय बनेगा। मंगलवार को झारखंड विधानसभा में बजट प्रस्तुत करते हुए वित्त मंत्री ने इसकी घोषणा की। धनबाद के दोनों प्रखंड में आवासीय बालिका विद्यालय नहीं था। अब बजट में घोषणा होने के बाद जल्द ही झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय की स्थापना की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। वहीं बजट में धनबाद में एक सेंटर ऑफ आर्ट डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी बनाने की भी घोषणा की गई है। जिला शिक्षा विभाग की ओर से पहले ही इससे संबंधित प्रस्ताव भेजा गया था। सरकार ने इसे बजट में शामिल करते हुए घोषित कर दिया है।
पुस्तकालय में 500 पाठकों के लिए सुविधा रहेगी। उम्मीद है कि आनेवाले दिनों में इसका लाभ छात्र-छात्राओं को मिले। बजट में 100 नए उत्कृष्ट विद्यालय के संचालन की घोषणा की गई है। इनमें धनबाद में पांच स्कूल शामिल है। ये स्कूल सीबीएसई स्कूल बनेंगे। राज्य में 325 प्रखंड स्तरीय आदर्श विद्यालय लीडर स्कूल बनाए जाएंगे। धनबाद में इनकी संख्या पांच बताई जा रही है। यहां पर आधारभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी। झारखंड इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की तर्ज पर सभी पॉलीटेक्निक विकसित होंगे। धनबाद में तीन राजकीय पॉलीटेक्निक संचालित हैं। आईआईटी और एनआईटी की तर्ज पर विकसित करने की घोषणा की गई है।

बर्मामाइंस में छिनतई का प्रयास

जमशेदपुर : बर्मामाइंस थाना क्षेत्र स्थित ओड़िया क्लब के पास मंगलवार रात ड्यूटी से लौट रहे दास बस्ती निवासी राज दास पर बदमाशों ने छिनतई का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपियों ने उस पर चापड़ से हमला कर दिया। जान बचाने के लिए राज अपनी बाइक मौके पर छोड़कर भाग निकले। घटना की जानकारी मिलने पर जब उनके साथी वहां पहुंचे, तो बदमाशों ने चापड़ से हमला कर दिया, जिससे संदीप नामक युवक के पैर में चोट आई।

देवघर रेलवे स्टेशन पर लावारिश बैग में मिले हथियार समेत लाखों की चांदी

जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

देवघर : मंगलवार देर शाम देवघर स्टेशन पर कई हथियार और चांदी का खेप मिला। रेलवे पुलिस ने जमालपुर से देवघर आ रही एक ट्रेन में करीब दो किलो चांदी, दो देसी कट्टा, 2 देसी पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए। घटना को लेकर आरपीएफ के इंस्पेक्टर शिव शंकर कुमार और देवघर रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर दिनकर झा ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रेलवे पुलिस को गस्ती के दौरान एक लावारिश बैग मिला। जिसमें ये सामान थे।
ट्रेन पर नहीं ली किसी ने बैग की जिम्मेदारी
पुलिस ने लावारिश बैग की जैसे ही जांच पड़ताल शुरू की, तो कोई भी व्यक्ति उस बैग की जिम्मेदारी लेने के लिए आगे नहीं आया। काफी देर तक आसपास के लोगों से रेलवे पुलिस ने पूछताछ की। लेकिन किसी ने भी हथियार और चांदी से भरे बैग के बारे में नहीं बताया। जिसके बाद रेलवे पुलिस पूरे सामान को अपने कब्जे में लेकर रेलवे थाना ले गई।
हथियार और चांदी नगर थाना के हवाले किया रेलवे पुलिस
अब सवाल यह उठ रहा है कि एक बैग में लाखों का चांदी और इतने हथियार किसने रखे और इसे कहां ले जाया जा रहा था। रेलवे पुलिस ने सभी हथियार और चांदी के खेप को जब्त कर नगर थाना के हवाले कर दिया। रेलवे पुलिस की तरफ से बताया

गया कि मिली चांदी की कीमत करीब तीन से चार लाख रुपए है। वही हथियारों की भी कीमत करीब एक लाख रुपए आंकी गई है।
पुलिस द्वारा तस्करी करने वालों की निकाली जा रही है लिस्ट
हथियारों की बरामदगी के बाद पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है। पुलिस की तरफ से तस्करी करने वालों की भी लिस्ट निकाली जा रही है। पुलिस द्वारा ऐसे अपराधियों की भी लिस्ट खंगाली जा रही है जो बाहर के शहरों में जाकर घटना को अंजाम देते हैं। देवघर रेलवे स्टेशन पर इस तरह हथियार के मिलने के बाद पुलिस किस निष्कर्ष पर निकलती है। क्योंकि देवघर रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन लाखों की संख्या में लोगों का आवागमन होता है। ऐसे में जरूरी है कि देवघर रेलवे स्टेशन की सुरक्षा सुनिश्चित हो।

इस बार मार्च में ही होली से लेकर चैती छठ और रामनवमी

संवाददाता

जमशेदपुर : इस बार मार्च के पहले सप्ताह से ही त्योहारों की झड़ी लगने वाली है। 2 मार्च को होलिका दहन और इस बार 4 मार्च को होली मनाई जाएगी। इसी महीने हिंदू नववर्ष की शुरूआत होगी, हिंदू नववर्ष की शुरूआत चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, 19 मार्च से विक्रम संवत 2083 की शुरूआत होने जा रही है। इस दिन महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा के साथ हिंदू नव वर्ष मनाया जाएगा। इसी दिन से चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व भी शुरू होगा। इसी महीने चंद्र ग्रहण भी लग रहा है। नव वर्ष के साथ ही 19 मार्च को कलश स्थापना के साथ चैत्र नवरात्र की शुरूआत होगी।
चैत्र नवरात्र में छत्तीसगढ़ी समाज के लोग जवारा पूजा करते हैं। शहर के विभिन्न मंदिरों में माता की ज्योत जलाई जाती है और जवारा पूजा की जाती है। वहीं, 26 को महा अष्टमी और 27 मार्च को नवमी तिथि पड़ रही है। चैती छठ की शुरूआत 22 मार्च से होगी। 22 मार्च को नहाय-खाए के साथ चैत्र छठ पूजा की शुरूआत होगी। 23 मार्च को खरना, 24 मार्च को संध्या अर्घ्य और 25 मार्च उदीयमान सूर्य को अर्घ देकर छठ महापर्व का समापन और पारण होगा। शीतला अष्टमी, कामदा एकादशी आदि है। कुल मिलाकर पूरे मार्च में अलग-अलग तिथियों में अलग-अलग त्योहार मनाए जाएंगे। इसी महीने झूलेलाल जयंती मनाई जाएगी। वहीं 31 मार्च को महावीर जयंती है। पर्व त्योहार 1 मार्च प्रदोष व्रत 2 मार्च फाल्गुन चौमासी चौदस, होलिका दहन 3 मार्च वसंत पूर्णिमा व्रत, चंद्र ग्रहण, फाल्गुन पूर्णिमा 4 मार्च- होली, चैत्र महीने का आरंभ, हिंदू धर्म का नया साल शुरू 6 मार्च - भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी 8 मार्च- रंग पंचमी 10 मार्च शीतला सप्तमी 11 मार्च- शीतला अष्टमी, बसोड़ा, कालाष्टमी और कृष्ण जन्माष्टमी (मासिक) 15 मार्च - कृष्ण नृसिंह द्वादशी, पापमोचिनी एकादशी 16 मार्च, प्रदोष व्रत 17 मार्च - मासिक शिवरात्रि 18 मार्च - दर्श अमावस्या 19 मार्च, युगादी, गुड़ी पड़वा चैत्र नवरात्रि 20 मार्च झूलेलाल जयंती, चंद्र दर्शन 21 मार्च मत्स्य जयंती, गौरी पूजा, गणगौर 22 मार्च- चैत्र छठ नहाय-खाय, वासुदेव चतुर्थी 23 मार्च 2026, खरना, लक्ष्मी पंचमी 24 मार्च संकन्द षष्ठी, संध्या अर्घ्य 25 मार्च चैत्र नवरात्र सप्तमी, उदीयमान सूर्य को अर्घ्य, पारण 26 मार्च रामनवमी, महातारा जयंती, अष्टमी व्रत 27 मार्च रामनवमी 29 मार्च कामदा एकादशी, वामन द्वादशी 30 मार्च प्रदोष व्रत (शुक्ल) 31 मार्च महावीर जयंती।

अंतरराज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का उद्घाटन

जमशेदपुर : मेरा युवा भारत के तत्वावधान में अंतरराज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीनाथ विश्वविद्यालय के मल्टीपरपज हॉल में किया गया। कार्यक्रम जिला युवा अधिकारी मोंटू पातर के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसमें श्रीनाथ कॉलेज के राष्ट्रीय स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।कार्यक्रम में महाराष्ट्र से आए 37 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच भाषा, संस्कृति और परंपराओं का आदान-प्रदान कर आपसी सौहार्द और राष्ट्रीय एकीकरण को मजबूत करना है।मुख्य अतिथि क्षेत्रीय एवं राज्य निदेशक ललिता कुमारी रहीं। विशिष्ट अतिथियों में श्रीनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. शिवानंद सिंह, प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. शालिनी ओझा, प्राचार्य मौसमी महतो तथा पूर्व जिला युवा समन्वयक एंजेलिस मिंज शामिल थे।

डायन व बलि प्रथा के विरुद्ध लोगों को किया जागरूक

संवाददाता

जमशेदपुर : आनंद मार्ग प्रचारक संघ की ओर से सामाजिक सुधार और सेवा कार्य के तहत गदरा क्षेत्र में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जहाँ 100 जरूरतमंद लोगों के बीच साड़ी एवं धोती का वितरण किया गया, वहीं समाज में व्याप्त कुरीतियों जैसे–बलि प्रथा और डायन कुप्रथा के खिलाफ जन-जागरूकता अभियान चलाया गया।संघ के सुनील आनंद ने वैज्ञानिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण साझा करते हुए कहा कि सृष्टि में ऐसा कोई मंत्र नहीं बना, जो किसी मनुष्य को क्षति पहुँचा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंत्र जाप केवल मानसिक और आध्यात्मिक उत्थान के लिए होता है। जो लोग तंत्र-मंत्र से हत्या या नुकसान की बात सोचते हैं, उन्हें मानसिक चिकित्सा की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि 'तंत्र' का अर्थ मुक्ति का मार्ग है, जिसकी शिक्षा भगवान सदाशिव ने दी थी।कार्यक्रम के दौरान सुनील आनंद ने जोर दिया कि समाज में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चल रही 'ओझा-गुणी' और बलि प्रथा जैसी समस्याओं को केवल खानापूर्ति से समाप्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए भारत की शिक्षा प्रणाली में इन अंधविश्वासों के खिलाफ विशेष पाठ शामिल करने होंगे, ताकि आने वाली पीढ़ी वैज्ञानिक और व्यावहारिक स्तर पर जागरूक हो सके।आध्यात्मिक चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि परमात्मा और मनुष्य का संबंध माँ और बच्चे जैसा है। मनुष्य अपने संस्कारों के कारण कष्ट भोगता है, जिसे भक्ति के माध्यम से समझा जा सकता है। परम पुरुष घृणा से परे एक कल्याणकारी सत्ता हैं, जिन्हें केवल अंतर्मन की भक्ति से ही जाना जा सकता है।

तीन डीएसपी की अगुवाई में मतगणना स्थल की त्रिस्तरीय सुरक्षा

धनबाद : नगर निकाय चुनाव के बाद धनबाद के लोगों के बीच परिणाम को लेकर उत्सुकता है। वहीं पुलिस प्रशासन के लिए शांतिपूर्ण माहौल में मतगणना कराना बड़ी चुनौती है। तीन डीएसपी की अगुवाई में मतगणना स्थल पर त्रिस्तरीय सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। राजकीय पॉलीटेक्निक में कड़े सुरक्षा घेरे में मतपेटियां सील करके रखी गई हैं। पहले स्तर की सुरक्षा सशस्त्र बल को दिया गया है। बीच में डीएसपी के साथ पुलिस अफसर और जवान सुरक्षा में तैनात हैं। अंतिम घेरे की जिम्मेवारी विशेष रूप से प्रशिक्षित आर्म्ड फोर्स को दी गई है। जैप और आईआरबी के साथ आईआरबी के जवान 24 घंटे मतगणना स्थल की सुरक्षा में जुटे हैं। एसएसपी प्रभात कुमार लगातार मतगणना स्थल की सुरक्षा की निगरानी कर रहे हैं। सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने मंगलवार को मतगणना स्थल पहुंच कर सुरक्षा का जायजा लिया। सुरक्षा जवानों के साथ-साथ अग्निशमन दल और चिकित्सा टीम को भी सतर्क रखा गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से फौरन निपटा जा सके। मतगणना के दिन कड़ी सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं।

आईटीआई धनबाद में 26 को कैंपस प्लेसमेंट

धनबाद : आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) धनबाद में 26 फरवरी को कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन होगा। आउटसोर्सिंग कंपनी की ओर से इलेक्ट्रिकल, डीजल मैकेनिक व फीटर ट्रेड से उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी को डी वाटरिंग व डीजी ऑपरेटर पदों के लिए नियुक्त किया जाएगा। चयनित को बीसीसीएल धनबाद के प्रोजेक्ट में छह महीने की ऑन द जॉब ट्रेनिंग दी जाएगी। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा होने पर उम्मीदवारों को कंपनी में स्थायी रोजगार के लिए विचार किया जाएगा। जॉब ट्रेनिंग के दौरान 13 से 15 हजार रुपए स्टाइपेंड दिया जाएगा।

बीमारी से परेशान महिला प्रोफेसर और उनके भाई ने फांसी लगाकर जान दी

संवाददाता

जमशेदपुर : जमशेदपुर में बीमारी से परेशान होकर सहायक प्राध्यापक (असिस्टेंट प्रोफेसर) और उनके भाई ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दिल दहला देने वाली यह घटना सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के न्यू लेआउट स्थित आदिवासी एसोसिएशन के पास हुई। यहां एक घर में सोमवार देर शाम शिक्षिका और उनके भाई के शव फंदे से लटके मिले। उनकी पहचान सरस्वती सरकार (62) और उनके भाई बलराम सरकार (67) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों के शव सड़-गल गए हैं। घटना दो-तीन दिन पहले की हो सकती है। आसपास के लोगों ने घर से तेज बदबू आने पर इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरंजन कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घर को अंदर से बंद पाया। वहीं, घर के बाहर दो दिनों का अखबार भी पड़ा था। इसके बाद पुलिस मजिस्ट्रेट जॉय गुड़िया की मौजूदगी में ग्राइंडर से गेट का ताला काटकर पुलिस अंदर गई। पुलिस के अनुसार, घर के भीतर बदबू इतनी तेज थी कि अंदर जाना मुश्किल था। एक कमरे में दोनों के शव फंदे से लटके थे। पुलिस ने शवों को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी, दोनों अविवाहित थे जानकारी के मुताबिक, सरस्वती सरकार को-ऑपरेटिव कॉलेज से सहायक प्राध्यापक पद से रिटायर हुई थीं। वह घंटी आधारित शिक्षिका के रूप में भी काम कर चुकी थीं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सरस्वती ब्लड कैंसर से पीड़ित थीं, जबकि विवेकानंद किडनी स्टोन की बीमारी से परेशान थे। दोनों की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं थी। वे अविवाहित थे और साथ रहते थे। पुलिस का कहना है कि पहली नजर में मामला आत्महत्या का लग रहा है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पड़ोसी बोले-दोनों डिप्रेशन में चल रहे थे इधर, पड़ोसियों के अनुसार दोनों कुछ दिनों से डिप्रेशन में रह रहे थे। दोनों ने शादी नहीं कर रखी थी, जिससे उनके परिवार में और कोई नहीं था। तीन दिन से दोनों को नहीं देखा गया और कमरा भी अंदर से बंद था। बदबू आने पर पुलिस को सूचना दी गई थी।

ईस्ट बंगाल से मुकाबले को तैयार जमशेदपुर एफसी

जमशेदपुर : आगामी इंडियन सुपर लीग मुकाबले में जमशेदपुर एफसी का सामना ईस्ट बंगाल एफसी से होने जा रहा है। दोनों टीमों के बीच अब तक 10 मुकाबले हुए हैं, जिनमें जमशेदपुर ने 3 जीत दर्ज की हैं, जबकि 3 मैच ड्रॉ रहे, जो इस प्रतिद्वंद्विता की कड़ी प्रतिस्पर्धा को दशार्ता है।जमशेदपुर के घरेलू मैदान जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में टीम ने मजबूत प्रदर्शन किया है। दिसंबर 2020 का मैच गोलरहित ड्रॉ रहा, जबकि जनवरी 2022 में ईशान पंडिता के देर से किए गए गोल ने टीम को पहली घरेलू जीत दिलाई। पिछले सीजन में जमशेदपुर ने 2-0 की शानदार जीत दर्ज की, जिसमें रेई ताचिकावा के शुरूआती गोल ने मैच की दिशा तय कर दी। कोलकाता में भी मुकाबले रोमांचक रहे हैं।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल लगाएगा लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट

संवाददाता

धनबाद : धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जल्द ही लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) प्लांट लगाया जाएगा। अस्पताल में निर्बाध और पर्याप्त ऑक्सीजन आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। कोविड काल के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए अस्पताल प्रबंधन अब स्थायी और भरोसेमंद व्यवस्था विकसित करने में जुट गया है। बता दें कि फिलहाल मेडिकल कॉलेज में तीन प्रेशर स्विंग एडसॉर्प्शन (पीएसए) ऑक्सीजन प्लांट स्थापित हैं। हालांकि इनमें से दो प्लांट खराब पड़े हैं और केवल एक प्लांट से ही ऑक्सीजन की आपूर्ति हो पा रही है। एक ही प्लांट पर निर्भरता के कारण किसी तकनीकी खराबी की स्थिति में मरीजों के सामने संकट खड़ा हो सकता है।
यही वजह है कि प्रबंधन अब लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। बताया जा रहा है कि नए एलएमओ प्लांट के लगने से अस्पताल को बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन का भंडारण करने की सुविधा मिलेगी। इससे गंभीर मरीजों, आईसीयू और ऑपरेशन थिएटर में भर्ती रोगियों को लगातार और पर्याप्त ऑक्सीजन जरूरी प्रेशर के साथ उपलब्ध कराई जा सकेगी। वर्तमान में अस्पताल को अब भी बड़ी संख्या में ऑक्सीजन सिलेंडरों पर निर्भर रहना पड़ता है,

जिससे आपूर्ति और परिवहन की अतिरिक्त चुनौती बनी रहती है। अस्पताल प्रबंधन ने प्लांट लगाने के लिए स्थान चिह्नित करने और आवश्यक तकनीकी प्रक्रियाओं को पूरा करने की तैयारी शुरू कर दी है। साथ ही टेंडर प्रक्रिया शुरू करने की योजना बनाई जा रही है ताकि जल्द से जल्द स्थापना का काम शुरू हो सके। नगर निगम चुनाव की आचार संहिता समाप्त होने के बाद इस दिशा में पहल होगी। अधिकारियों का कहना है कि एलएमओ प्लांट शुरू होने के बाद पीएसए प्लांट पर दबाव कम होगा और आपात स्थिति में भी ऑक्सीजन की कमी नहीं होगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि मेडिकल कॉलेज जैसे बड़े अस्पताल में लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना समय की जरूरत है। इससे न केवल धनबाद बल्कि आसपास के जिलों से आनेवाले मरीजों को भी बेहतर और सुरक्षित स्वास्थ्य सेवा मिल सकेगी। मरीजों को निर्बाध ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट लगाने की दिशा में पहल शुरू की गई है। जल्द इसकी औपचारिकताएं पूरी कर टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी।